लखनऊ
रविवार, 27 जुलाई, 2025
वर्ष : 11 | अंकः 18
मूल्य : 1 रुपये
पृष्ठ : 8
UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

अपने मित्र को उसके दोषों को बताना मित्रता की सबसे कठोर परीक्षा होती है। - हैनरी वार्ड बीचर

TODAY WEATHER

DAY 37° Hi
NIGHT 26° Low

संक्षेप

पीएम मोदी दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता, 75प्रतिशत अप्रूवल रेटिंग के साथ पहले स्थान पर; जानें बाकी दिग्गजों का हाल

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक बार फिर दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता के रूप में उभरे हैं। बिजनेस इंटेलिजेंस कंपनी मॉर्निंग कंसल्ट की तरफ से जारी ताजा लिस्ट में पीएम मोदी 75 फीसदी लोगों की अप्रूवल रेटिंग के साथ सबसे टॉप में बरकरार हैं। बीजेपी नेता अमित मालवीय ने एक पोस्ट शेयर करते यह जानकारी दी और कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को न केवल भारत में एक अरब से ज्यादा लोगों का प्यार है, बल्कि पूरी दुनिया में करोड़ों लोग उनका सम्मान करते हैं। मालवीय ने लिखा, 'एक अरब भारतीयों का प्यार और दुनिया भर में करोड़ों लोगों का सम्मान पाने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर मॉर्निंग कंसल्ट के ग्लोबल लीडर अप्रूवल ट्रैकर में टॉप किया है। वे दुनिया के सबसे ज्यादा रेटिंग पाने वाले और सबसे भरोसेमंद नेता हैं। सशक्त नेतृत्व, वैश्विक सम्मान। भारत सुरक्षित हाथों में है।' यह सर्वे 4 से 10 जुलाई 2025 के बीच किया गया था। इसके अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी को 75 प्रतिशत समर्थन मिला है, जिससे वे दुनिया के अन्य प्रमुख नेताओं से काफी आगे हैं। उनके बाद दक्षिण कोरिया के ली जे-म्युंग को 59%, अर्जेंटीना के जेवियर मिलेई को 57%, और कनाडा के मार्क कार्नी को 56% रेटिंग मिली है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को 44% रेटिंग मिली है और वे आठवें स्थान पर हैं। वहीं इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी महज 40% रेटिंग के साथ 10वें नंबर पर हैं।

यूपी गेट के पास बिजलीघर में भीषण आग, 9 फायर टेंडरों ने पाया काबू

गाजियाबाद। गाजियाबाद में बीती रात यूपी गेट के पास एक बिजली घर में देर रात करीब 11:55 बजे भीषण आग लग गई। आग लगने के बाद फायर विभाग को सूचना दी गई, लेकिन आग इतनी तेज थी कि अतिरिक्त संसाधनों की जरूरत पड़ी। कड़ी मेहनत के बाद दमकल विभाग ने आग पर काबू पा लिया। फायर विभाग के अनुसार, आग एक बड़े ट्रांसफॉर्मर में लगी थी, जिसकी क्षमता 160 एमवीए और 50,000 लीटर तेल थी। आग की खबर मिलते ही वैशाली फायर स्टेशन से चार दमकल गाड़ियां और एक वाटर मिस्ट यूनिट तुरंत घटनास्थल पर भेजी गईं। लेकिन जब तक दमकल की गाड़ियां पहुंचीं, ट्रांसफॉर्मर में आग तेजी से फैल चुकी थी और बहुत भयानक हो गई थी। स्थिति को देखते हुए कोतवाली फायर स्टेशन से दो और साहिबाबाद से एक फायर टेंडर को मौके पर बुलाया गया। साथ ही, गौतमबुद्ध नगर जिले से भी एक अतिरिक्त दमकल गाड़ी मंगवाई गई। मुख्य अग्निशमन अधिकारी गाजियाबाद के नेतृत्व में दमकल कर्मियों ने दोनों ओर से होज पाइप फैलाकर और फोम की सहायता से आग पर नियंत्रण पाने का अभियान शुरू किया। करीब नौ दमकल गाड़ियों की मदद से कई घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूर्ण रूप से काबू पा लिया गया। राहत की बात यह रही कि आग की विकरालता के बावजूद कोई जनहानि नहीं हुई और आस-पास के अन्य ट्रांसफॉर्मर भी सुरक्षित बचा लिए गए। अधिकारियों ने बताया कि आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

कुर्सी सिर पर चढ़ जाए तो सेवा नहीं पाप बन जाती है सीजेआई गवई ने जजों से लेकर वकीलों तक को पढ़ाया पाठ

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस (CJI) भूषण गवई ने महाराष्ट्र के दर्यापुर (अमरावती) में न्यायालय की नव-निर्मित भव्य इमारत के उद्घाटन समारोह में भाग लिया। जहां उन्होंने न्यायपालिका, प्रशासन और वकील समुदाय को एक मूल्यवान संदेश देते हुए कहा कि यह कुर्सी जनता की सेवा के लिए है, न कि घमंड के लिए। उन्होंने कहा कि पद की कुर्सी सिर में घुस जाए तो न न्याय बचेगा, न ही सेवा।

चीफ जस्टिस गवई ने पद के अहंकार में डूबे लोगों पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि कुर्सी अगर सिर में चढ़ जाए, तो यह सेवा नहीं, बल्कि पाप बन जाती है। उन्होंने कहा कि सिर्फ प्रशासनिक अफसर ही नहीं, बल्कि न्यायाधीशों को भी यह समझने की जरूरत है कि उनका व्यवहार कैसा हो। उन्होंने कहा कि न्यायाधीशों को वकीलों को सम्मान देना चाहिए। यह अदालत वकील और न्यायाधीश दोनों की है।

यह न्यायिक इमारत एक बड़ी सौगात

दर्यापुर और अंजनगांव क्षेत्र के लिए यह न्यायिक इमारत एक बहुत बड़ी सौगात है। इसमें अब सिविल और क्रिमिनल मामलों की सुनवाई की जाएगी। इस प्रकल्प पर कुल 28 .54 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। उद्घाटन कार्यक्रम में न्यायमूर्तियों के साथ-साथ जिले के प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी, अधिवक्ता संघ के सदस्य और बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित रहे।

पद मिले तो झुकना सीखो, अकड़ना नहीं

CJI गवई ने अपने भाषण के जरिए लोगों को संदेश देते हुए कहा कि पद मिले तो झुकना सीखो, अकड़ना नहीं। अपने पूरे भाषण के दौरान भूषण गवई का जोर इसी बात पर रहा कि चाहे को जिलाधिकारी की कुर्सी हो, पुलिस अधीक्षक की हो या न्यायाधीश की कुर्सी हो, वह सिर्फ और सिर्फ जनसेवा का माध्यम है। उन्होंने दो चेतावनी देते हुए कहा कि कुर्सी अगर सिर में घुस गई तो न्याय का मोल खत्म हो जाएगा। उन्होंने कहा कि ये कुर्सी सम्मान की है, इसे घमंड से अपमानित न करें।

जूनियर वकीलों को दी चेतावनी

चीफ जस्टिस ने विशेष रूप से जूनियर वकीलों को चेतावनी देते हुए कहा कि जब 70 साल का सीनियर आता है तो 25 साल का वकील कुर्सी पर ही बैठा होता है और उठता भी नहीं है। सीनियर के लिए उनके अंदर को सम्मान भाव नहीं होता है। उन्होंने कहा कि जूनियर वकीलों से थोड़ी तो शर्म करो और सीनियर का सम्मान करना सीखो।

सरकार का बड़ा ऐलान, पत्रकारों को अब हर महीने मिलेगी 15 हजार रुपए पेंशन

पटना, एजेंसी। बिहार चुनाव की तैयारियों के बीच राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पत्रकारों के लिए बड़ा ऐलान कर दिया है। अब बिहार के मान्यता प्राप्त पत्रकारों को मिल रही पेंशन राशि में बढ़ोतरी करने का फैसला किया गया है। सीएम नीतीश कुमार ने इसकी घोषणा सोशल मीडिया के जरिए किया। नीतीश कुमार ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि 'बिहार पत्रकार सम्मान पेंशन योजना' के तहत अब सभी पात्र पत्रकारों को हर महीने 6 हजार रुपए की जगह 15 हजार रुपए पेंशन की राशि प्रदान करने का विभाग को निर्देश दिया है। साथ ही इस योजना योजना के अंतर्गत पेंशन प्राप्त कर रहे पत्रकारों की मौत होने की स्थिति में उनके आश्रित पति/ पत्नी को जीवनपर्यन्त प्रतिमाह 3 हजार रुपए की जगह 10 हजार रुपए की पेंशन राशि दिए जाने का निर्देश दिया है।

'माफ करो और आगे बढ़ो', सुप्रीम कोर्ट ने पायलट और पत्नी के विवाद में की टिप्पणी

नई दिल्ली, एजेंसी। एक वैवाहिक विवाद के मामले में सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने पति-पत्नी को सलाह देते हुए कहा कि वे दोनों एक दूसरे को माफ कर दें और जीवन में आगे बढ़ें। पति वायुसेना में लड़ाकू विमान का पायलट है, जिन्होंने 2019 में बालाकोट एयर स्ट्राइक करने वाली टीम का हिस्सा रहे। वहीं पत्नी भी उच्च शिक्षित है और आईआईएम से स्नातक है। जस्टिस पी एस नरसिम्हा और जस्टिस अतुल एस चंदुरकर की पीठ ने दंपति से कहा कि वे आपसी विवाद को सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझा लें।

वायुसेना अधिकारी की याचिका पर सुनवाई करते हुए की टिप्पणी

पीठ ने वायुसेना अधिकारी की याचिका पर टिप्पणी करते हुए कहा, 'तुम बस एक-दूसरे को माफ कर दो, एक-दूसरे को भूल जाओ और आगे बढ़ो। बदले की जिंदगी मत जियो। तुम दोनों जवान हो, और तुम्हारे आगे लंबी जिंदगी है, और तुम्हें एक अच्छा जीवन जीना चाहिए।' यह याचिका वायुसेना अधिकारी ने पत्नी द्वारा उनके खिलाफ दर्ज कराई गई एफआईआर को रद्द करने के लिए दायर की थी। अधिकारी ने याचिका में दलील दी कि वह और उसके परिवार के सदस्य उसकी पत्नी और ससुर द्वारा लगातार मानसिक उत्पीड़न के शिकार हैं। पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय द्वारा एफआईआर रद्द करने की उसकी याचिका खारिज होने के बाद लड़ाकू पायलट ने शीर्ष अदालत का रुख किया।

दुख है ऐसी सरकार के समर्थन पर ..., चिराग पासवान ने बिहार में अपराध पर नीतीश सरकार को घेरा

पटना, एजेंसी। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नेता चिराग पासवान ने शनिवार को बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें अपराध पर अंकुश लगाने में असमर्थ सरकार का समर्थन करने में दुख हो रहा है। एनडीए सरकार में केंद्रीय मंत्री पासवान ने कहा कि बिहार में प्रशासन हत्या, अपहरण, डकैती और बलात्कार की घटनाओं को रोकने में पूरी तरह से असमर्थ है। चिराग पासवान ने कहा कि बिहार में जिस तरह से अपराध हो रहे हैं, प्रशासन अपराधियों के सामने पूरी तरह से नतमस्तक हो गया है।

चिराग पासवान ने आगे कहा कि यह सही है कि इस घटना की निंदा आवश्यक है, लेकिन ऐसी घटनाएं क्यों हो रही हैं? अपराधों का एक सिलसिला सा चल पड़ा है। अगर यह ऐसे ही चलता रहा, तो स्थिति भयावह होगी, बल्कि, स्थिति भयावह हो गई है। पासवान ने राज्य सरकार पर या तो स्थिति को छिपाने का प्रयास करने या स्थिति को संभालने में असमर्थ होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अगर यह कहा जा रहा है कि यह चुनाव के कारण हो रहा है, तो मैं यह भी कह सकता हूं कि ऐसा हो सकता है, यह सरकार को बदनाम करने की साजिश हो सकती है, लेकिन फिर भी, इसे नियंत्रित करना प्रशासन की जिम्मेदारी है। आपके प्रशासन में अपराधी कैसे बच निकल रहे हैं... या प्रशासन स्थिति को छिपाने की कोशिश कर रहा है, या प्रशासन स्थिति को संभालने में पूरी तरह से असमर्थ है।

उन्होंने कहा, 'मुझे दुख है कि मैं ऐसी सरकार का समर्थन कर रहा हूं जहां अपराध अनियंत्रित हो गया है।' लोजपा (रालोद) नेता की यह टिप्पणी गया में होमगार्ड भर्ती अभियान में भाग ले रही 26 वर्षीय एक महिला के साथ एम्बुलेंस के अंदर कथित तौर पर सामूहिक बलात्कार की घटना के बाद आई है। यह घटना 24 जुलाई को हुई थी जब शारीरिक परीक्षण के दौरान बेहोश होने के बाद उसे अस्पताल ले जाया जा रहा था। यह पहली बार नहीं है जब एनडीए सहयोगी ने कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर नीतीश के नेतृत्व वाली राज्य सरकार पर हमला किया है।

सुप्रीम कोर्ट पहुंची दिल्ली सरकार, पुराने वाहनों पर रोक के आदेश पर पुनर्विचार की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाकर दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में चल रहे 10 साल से अधिक पुराने डीजल वाहनों और 15 साल से अधिक पुराने पेट्रोल वाहनों पर लगे प्रतिबंध की समीक्षा करने की मांग की। दिल्ली सरकार का तर्क है कि मौजूदा पॉलिसी से मध्यम वर्ग पर अनुचित दबाव पड़ रहा है। रेखा गुप्ता सरकार ने 2018 के उस नियम पर पुनर्विचार करने की मांग की है जिसमें पुरानी गाड़ियों पर प्रतिबंध है। स यह अध्ययन वाहनों की उम्र के आधार पर लगाए गए प्रतिबंध के वास्तविक पर्यावरणीय प्रभाव का आकलन करेगा और मूल्यांकन करेगा कि क्या यह कदम राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु गुणवत्ता सुधार में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

सड़े हुए सिस्टम का आईना... एसएससी फेज 13 की परीक्षा रद्द होने पर भड़के राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) द्वारा चरण 13 की कंप्यूटर आधारित परीक्षाएं रद्द होने पर केंद्र सरकार पर हमला बोला है। सोशल साइट एक्स पर राहुल गांधी ने पोस्ट कर कहा कि SSC फेज 13 की परीक्षा में सामने आ रही गड़बड़ियां सिर्फ लापरवाही नहीं, बल्कि मोदी सरकार के विफल और सड़े हुए सिस्टम का आईना हैं।

उन्होंने लिखा कि 400500 किलोमीटर दूर से परीक्षा देने पहुंचे युवाओं को केंद्र पर जाकर पता चलता है कि उनकी परीक्षा रद्द कर दी गई है। सिस्टम की खामियों के कारण लगातार पेपर लीक हो रहे हैं। इसकी वजह से परीक्षाएं रद्द हो रही हैं। और लाखों युवाओं और उनके परिवारों की मेहनत के साथ-साथ समय और उम्मीदें बर्बाद हो रही हैं।

राहुल गांधी ने कहा कि पिछले 10 सालों में NEET, UGC-NET, UPPSC, BPSC और बोर्ड परीक्षाओं सहित 80 से ज्यादा पेपर्स में खुलेआम धांधली हुई है। सिर्फ इस साल की धांधली से 85 लाख बच्चों का भविष्य प्रभावित हुआ है।

तकनीकी कारणों से रद्द कर दी गई थी परीक्षा

एसएससी ने तकनीकी और प्रशासनिक कारणों से कुछ केंद्रों पर चयन पद चरण 13 की कंप्यूटर आधारित परीक्षाएँ रद्द करने की घोषणा की है। 24 जुलाई से शुरू होकर 1 अगस्त तक चलने वाली ये परीक्षाएं निर्धारित कार्यक्रम के पहले दिन ही बाधित हो गईं, जिसके बाद आयोग को हस्तक्षेप कर सुधारात्मक कदम उठाने पड़े। आधिकारिक सूचना के अनुसार, पवन गंगा एजुकेशनल सेंटर 2 में 24 जुलाई से 26 जुलाई के बीच आयोजित परीक्षाएं प्रशासनिक कारणों से रद्द कर दी गई हैं। जिन प्रभावित उम्मीदवारों को यह केंद्र आवंटित किया गया था, उनकी परीक्षाएं अब 28 जुलाई से पुनर्निर्धारित की जाएंगी। आयोग ने आश्वासन दिया है कि संशोधित तिथियों और विवरणों से उम्मीदवारों को जल्द ही अवगत करा दिया जाएगा।

बड़े-बड़े वादे खोखले साबित हुए

उन्होंने केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि इन्हें रोकने में सरकार नाकाम रही है और भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता और सुधार के उसके बड़े-बड़े वादे खोखले साबित हुए हैं।

राहुल गांधी ने कहा कि यह सरकार के निकम्मेपन, प्रशासनिक भ्रष्टाचार और परीक्षा माफियाओं के गठजोड़ का नतीजा है। युवाओं के सपनों के साथ इस तरह का विश्वासघात तत्काल बंद होना चाहिए।

धरती की हर हरकत पर होगी भारत की नजर, इसरो-नासा इस दिन लॉन्च करेंगे दुनिया का सबसे महंगा सैटेलाइट 'निसार

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत एक और ऐतिहासिक छलांग लगाने को तैयार है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ढ्ढस्क्रह्र) और अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा (ह्रस्ï) मिलकर 30 जुलाई, 2025 को अपना सबसे महत्वाकांक्षी मिशन 'निसार' लॉन्च करेंगे। निसार, यानी नासा-इसरो सिंथेटिक एपर्चर रडार, दुनिया का सबसे महंगा और उन्नत पृथ्वी-अवलोकन उपग्रह है जो धरती की सतह पर होने वाले सूक्ष्मतम बदलावों पर भी 24म7 नजर रखेगा।

इस बहुप्रतीक्षित सैटेलाइट को श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से त्रस्रुक्क-स्न16 रॉकेट के जरिए पृथ्वी की कक्षा में स्थापित किया जाएगा।

बॉम्बे हाईकोर्ट का सख्त रुख : फुटपाथ पर अवैध पान दुकान मामले में बीएमसी अधिकारियों की भूमिका की होगी जांच

मुंबई, एजेंसी। बॉम्बे उच्च न्यायालय ने बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के नगर आयुक्त को उन नगर निगम अधिकारियों की भूमिका की जाँच करने का निर्देश दिया है, जिन्होंने मुंबई में एक हाउसिंग सोसाइटी के बाहर फुटपाथ पर अवैध रूप से स्थापित पान, बीड़ी और गुटखा की दुकान को कथित तौर पर आशीर्वाद दिया था। अदालत ने न केवल अनधिकृत ढाँचे को तत्काल हटाने का आदेश दिया, बल्कि नगर आयुक्त को उन अधिकारियों के खिलाफ जाँच शुरू करने का भी निर्देश दिया, जिन्होंने छह साल से अधिक समय तक अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई नहीं की।

न्यायमूर्ति जी एस कुलकर्णी और न्यायमूर्ति आरिफ एस डॉक्टर की खंडपीठ निर्वाण हाउसिंग सोसाइटी द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में आरोप लगाया गया है कि नवंबर 2019 में बीएमसी द्वारा अवैध स्टॉल को ध्वस्त करने के बावजूद, यह फिर से खड़ा हो गया और बिना किसी वैध लाइसेंस या अनुमति के संचालित होता रहा। 17 जुलाई, 2023 की एक निरीक्षण रिपोर्ट ने स्टॉल के अस्तित्व की पुष्टि की, जिसके पास स्वास्थ्य और व्यापार लाइसेंस, दोनों नहीं थे।

बीएमसी ने अदालत को सूचित किया कि स्टॉल संचालक को मुंबई नगर निगम अधिनियम के तहत 23 जुलाई, 2025 को एक नोटिस जारी किया गया था, जिसमें स्वेच्छा से स्टॉल हटाने के लिए 48 घंटे का समय दिया गया था। अनुपालन न करने पर, नगर निकाय ने कहा कि वह स्टॉल को ध्वस्त करने की कार्रवाई करेगा। हालाँकि स्टॉल मालिक ने अपने कानूनी वकील के माध्यम से अपना पक्ष रखा, लेकिन वह जवाबी हलफनामा दाखिल करने में विफल रहा। अदालत ने इसे स्टॉल की अवैधता की मौन स्वीकृति माना।

न संसद, न लोकतंत्र और न ही चेयर सुरक्षित... अभिषेक मनु सिंघवी का केंद्र सरकार पर हमला

नई दिल्ली, एजेंसी। जस्टिस यशवंत वर्मा को लेकर राज्यसभा में महाभियोग प्रस्ताव एडमिट खारिज किये जाने के सरकार के बयान पर कांग्रेस ने केंद्रसरकार पर निशाना साधा। कांग्रेस के राज्यसभा के सांसद अभिषेक मनु सिंघवी ने शनिवार कोकहा कि बीजेपी के डिक्सनरी में पाखंड मोटी अक्षरों में लिखा गया है। उन्होंने कहा कि 21 जुलाई 2025 को कांग्रेस और अन्य पार्टियों ने एक मोशन पेश किया। जस्टिस वर्मा के खिलाफ 63 राज्यसभा के और 152 लोकसभा के सदस्यों ने इस पर हस्ताक्षर दिया था।

उन्होंने कहा कि कल एक पूर्व कानून मंत्री (किरेन रिजिजू) ने बताया कि संसद में कोई मोशन मूव ही नहीं हुआ है, तो उस दिन धनखड़ इस मामले में जो बोल रहे थे वह क्या है? संसदीय कार्य मंत्री ने भी राज्यसभा में बताया था कि लोकसभा में सांसदों ने सहमति दी है। अगर मोशन नहीं मूव हुआ तो क्या ये सब कोई ड्रामा या फिल्म था।

शर्मिंदगी बचाने के लिए सरकार का कदम

उन्होंने कहा कि चूंकि यह मोशन कांग्रेस और विपक्षी पार्टियों की ओर से था इसलिए अपनी शर्मिंदगी बचाने के लिए सरकार की ओर से यह सब किया गया। जस्टिस वर्मा मामले में सरकार देरी करके उनको अपना बचाव करने का मौका दे रही है। उन्होंने कहा कि जिस कोरे कागज पर हस्ताक्षर कराने की बात सामने आ रही है वह न तो जस्टिस वर्मा के लिए था और न ही शेखर यादव के लिए बल्कि यह तो भविष्य में लाये जाने वाले किसी तीसरे इम्पीचमेंट की तैयारी थी। उन्होंने कहा कि जगदीप धनखड़ का जस्टिस शेखर यादव पर चुप्पी भी सवाल उठाती है। इस सरकार में न संसद सुरक्षित है, न लोकतंत्र और न ही चेयर सुरक्षित है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के सबसे नजदीकी कारण जस्टिस वर्मा के लिए लाया जाने वाला मोशन था। बिहार चुनाव में आरजेडी नेता तेजस्वी यादव के चुनाव बहिष्कार की धमकी पर उन्होंने कहा कि इस बयान के पीछे की भावना को समझने की जरूरत है। कौन सी ऐसी पार्टी है जो चुनाव नहीं लड़ना चाहती है।

करगिल युद्ध के सैनिकों का जज्बा हर पीढ़ी के लिए प्रेरणा: के.के.सिंह

» करगिल विजय की 26 वीं वर्षगांठ पर शहीद परिवारों को किया गया सम्मानित

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुलतानपुर। भाजपा ने कारगिल विजय दिवस की 26 वीं वर्षगांठ पर शनिवार को अखण्डनगर विकास खण्ड के नवयुग पीजी कॉलेज, बीरी सहजन में संगोष्ठी आयोजित हुई। वही पार्टीजनों ने शहीद महेंद्र यादव की मुड़िला बाजार स्थित स्मारक पर जाकर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। संगोष्ठी में चार शहीद परिवारों व चार पूर्व सैनिकों को सम्मानित किया गया।

संगोष्ठी के मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य के.के. सिंह ने कारगिल युद्ध के शहीदों को नमन करते हुए कहा करगिल विजय दिवस भारतीय सशस्त्र बलों की बहादुरी और वीरता को सम्मान देने और स्मरण करने का एक अवसर है। यह दिवस भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम का प्रतीक है। उन्होंने कहा हमारी सेनाएं सबसे दुर्गम इलाकों में इंच-इंच लड़ती रहीं, जब तक कि हर घुसपैठिए को खदेड़ नहीं दिया और हर चौकी भारतीय नियंत्रण में वापस नहीं आ गई। कहा कारगिल युद्ध के सैनिकों का जज्बा हर पीढ़ी को प्रेरित करता रहेगा।कार्यक्रम के अध्यक्ष भाजपा जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी ने कारगिल शहीदों को याद करते हुए कहा यह दिन भारत के इतिहास में गौरव की किरण की तरह चमकता है। राष्ट्र के लिए उनका समर्पण और सर्वोच्च बलिदान हर नागरिक के लिए प्रेरणादाई है। कार्यक्रम संयोजक विधायक राज प्रसाद उपाध्याय ने सभी का आभार प्रकट किया। संचालन जिला मंत्री राजेश सिंह ने किया।

भाजपा मीडिया प्रमुख विजय रघुवंशी ने जानकारी देते हुए बताया कि संगोष्ठी के दौरान चार शहीद परिवारों क्रमशः शहीद नीलेश सिंह के पिता रामप्रसाद सिंह, शहीद महेंद्र यादव के पिता राम शब्द यादव, शहीद शशांक यादव की पत्नी कंचन यादव,शहीद विक्टर सिंह के चाचा अरविंद सिंह को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। इसी क्रम में पूर्व सैनिक परिक्रमा सिंह भीमसेन पांडे, सभाजीत पांडे व ओम प्रकाश सिंह को भी सम्मानित किया गया। संगोष्ठी में विधायक राजेश गौतम, कार्यक्रम के जिला संयोजक व महामंत्री विजय त्रिपाठी, पिछड़ा वर्ग आयोग सदस्य घनश्याम चौहान, मनोज मौर्या, दुष्यंत सिंह, विजय लक्ष्मी शुक्ला, विक्की वर्मा, भूपेंद्र पाठक, प्रदीप मालवीय, हरीश सिंह समेत सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

जीपीएस के जरिए चोरी गया पिकअप बरामद

सुलतानपुर। देर रात गोसाईगंज थाना क्षेत्र के ग्राम सभा इटकौली में अंडे का कारोबार करने वाले मोहम्मद जमाल के घर के सामने खड़ी पिकअप को चोरों ने हाथ साफ कर दिया। पिकअप को ले जाकर धमौर थाना क्षेत्र के शाहपुर में खड़ा किया, पिकअप मलिक मोहम्मद जमाल ने पिकअप में पहले ही जीपीएस लगा दिया था जिसके माध्यम से पिकअप को ट्रैक करते हुए शाहपुर में सुबह के वक्त चोर अली अहमद के साथ पकड़ा गया वहीं उसके तीन साथी भाग निकले। गोसाईगंज थाना अध्यक्ष राम आशीष उपाध्याय ने बताया कि चोरों को पकड़ने के लिए टीम लगा दी गई है दो अन्य साथी भी पकड़े गए हैं, मुकदमा लिखा जा रहा है बाकी अन्य की तलाश पुलिस कर रही है।

'किसी ने कहा तो सिर पर ठोक ली कील...', होश में आते ही करने लगा अजीबो-गरीब हरकतें

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर में फतेहपुर निवासी एक शख्स ने अपने ही सिर पर तीन इंच की कील ठोक ली थी. हालांकि, डॉक्टरों ने सर्जरी कर सफलतापूर्वक उसके सिर से कील निकाल कर उसकी जान बचा ली थी। अब शख्स ठीक हुआ तो अजीबोगरीब बातें करने लगा है। कहता है- कोई मेरे कान में कुछ न कुछ बोलता रहता है। उसी ने कहा कि अपने सिर में कील ठोक लो। मैंने नहीं ठोकी तो बार-बार कहने लगा। पहले धीरे से कहता था फिर जोर-जोर से कहने लगा। मैं क्या करता।। ठोक ली कील।

हैलट पीजीआई के न्यूरो विभाग में भर्ती फतेहपुर का साइकोसिस रोगी 21 साल का विजय कुछ पूछने पर यही बड़बड़ाता है। 17 जुलाई को उसने अपने सिर में चार इंच लंबी कील ठोक ली थी। डॉक्टर इसे नशे के बेइंतहा इस्तेमाल और न्यूरोकेमिकल्स की गड़बड़ी का केस बता रहे हैं। ऐसे रोगियों को कई बार गांवों में भूत-प्रेत, जादू-टोने का शिकार मान लिया जाता है।

डॉक्टरों के मुताबिक, अब उसकी हालत में सुधार है। त्वचा, हड्डी और तीन सुरक्षा लेयर को भेदते हुए घुसीन्यूरो विभागाध्यक्ष डॉ। मनीष सिंह की देखरेख में विजय का ऑपरेशन हुआ है। चार इंच की कील उसके सिर के बीचो-बीच धंसी थी। सिर की त्वचा, हड्डी और दिमाग की तीन सुरक्षा लेयर यानी ड्यूरा, अराकनॉइड और पिया मेटर को भेदते हुए कील नसों तक पहुंच गई थी।

ड्यूरा सबसे बाहरी लेयर है जो ब्रेन और स्पाइनल कॉर्ड को सुरक्षा प्रदान करती है। इंसान दर्द का अनुभव ड्यूरा लेयर तक ही कर पाता है। अराकनॉइड और पिया मेटर पर चोट से दर्द महसूस नहीं होता है। ड्रिल मशीन से सिर के ऊपरी हिस्से को काटा। यह मुश्किल सर्जरी थी। डॉ। मनीष ने बताया- कील निकालने के लिए सिर पर ड्रिल मशीन चलानी पड़ी। एक हिस्सा काटना पड़ा। आसपास नसों का गुच्छा होने के कारण बेहद सावधानी से सर्जरी की। कील की वजह से नसों के फैलाव में अंतर आ गया है।

साइकोसिस से सुनाई देतीं आवाजें

जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के मनोरोग विभागाध्यक्ष डॉ। धनंजय चौधरी ने कहा- अधिक शराब या नशा करने से व्यक्ति पागलपन का शिकार होकर साइकोसिस की चपेट में आ जाता है। साइकोसिस पीड़ित की धारणा विकृत हो जाती है। इसमें रोगी यथार्थ और कल्पना के बीच अंतर नहीं कर पाता। वह भ्रमित, विक्षिप्त विचार और असामान्य व्यवहार करने लगता है। उसके कानों में आवाजें आने लगती हैं। अत्यधिक तनाव और नींद की कमी साइकोसिस को बढ़ावा दे सकती है।

मिर्गी के दौरे आने लगे थे, तब बताया

सिर में कील ठोकने के बाद विजय ने किसी को नहीं बताया था। उसे मिर्गी के दौरे आने शुरू हुए तो परिजन डॉक्टर के पास गए। वहां सारा मामला सामने आया। उसे 17 जुलाई को हैलट लेकर आए। विजय के पिता घूरे ने बताया कि वह दिल्ली में मजदूरी करता था। नशे की लत लग गई। ढाई माह पहले ही वह फतेहपुर स्थित घर आ गया। घूरे और उसका छोटा बेटा अजय बेंगलुरु में मजदूरी करते हैं।

उप जिलाधिकारी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ हलियापुर थाना समाधान दिवस

आर्यावर्त संवाददाता

बलदीराय/सुल्तानपुर। हलियापुर थाना समाधान उपजिलाधिकारी मंजुल मंयक की अध्यक्षता में संपन्न हुआ जिसमें राजस्व संबंधित चार शिकायतें आई जिन्हें निस्तारण हेतु राजस्व निरीक्षक अब्दुल हमीद को सौंपते हुए उपजिलाधिकारी मंजुल मंयक ने समायावधि में निस्तारण करने का सख्त निर्देश दिया। इस अवसर पर थाना प्रभारी तरुण पटेल, लेखपाल ओमप्रकाश, वंदन कुमार, ओमकार मौर्य, नामवर सिंह सहित शिकायतकर्ता मौजूद रहे। वहीं बलदीराय थाना समाधान दिवस थाना प्रभारी नारद मुनि सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुआ जिसमें बारह शिकायतें आई जिनमें से तत्काल प्रभाव से दो का निस्तारण किया गया शेष शिकायतों को संबंधित अधिकारियों को निस्तारित हेतु सौंपी गई। धनपतगंज थाना दिवस में फरियादियों के समस्यायों का यथासंभव तुरन्त समाधान किया गया। बाकी शिकायत पत्रों को समयावधि के अंदर निस्तारण का आदेश दिया गया। 'वास्तविकता तो यह है कि राजस्व समस्याओं से लगभग 75 फीसदी पीड़ति अपने फरियाद लेकर तहसील व थाना जाते हैं शेष 245 प्रतिशत में और समस्याएं होती हैं। अधिकारियों द्वारा फरियादियों के समस्याओं के निस्तारण हेतु शिकायतपत्र पर निस्तारण के लिए, लिखकर अग्रेषित तो कर दिया जाता है किंतु उसके बाद पीड़ति के समस्या का निस्तारण होने में सालों लग जाता है। फल स्वरूप क्षेत्र में अनेक "बड़ेविवाद"बन जाते हैं। जिनके जिम्मेदार वह भ्रष्ट अधिकारी/कर्मचारी होते हैं जिन्होंने मामले को सेटिंग गेटिंग अथवा किसी प्रभाव के चलते लटका देते हैं। और शासन की पीड़तिों को न्याय दिलाने की मंशा धरि की धरी रह जाती है।

ओबीसी परिवार की बेटियों को बड़ा तोहफा, शादी में मिलेंगे इतने रुपये, योगी सरकार ला रही प्रस्ताव

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश सरकार ने पिछड़े वर्ग की बेटियों के विवाह के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। अब उन्हें शादी के लिए मिलने वाली अनुदान राशि में भारी वृद्धि की जाएगी। वर्तमान में दी जा रही 20,000 रुपये की राशि को बढ़ाकर 35,000 रुपये करने का निर्णय लिया गया है। यह घोषणा पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री नरेंद्र कश्यप ने की, जिन्होंने बताया कि इस संबंध में एक प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है और इसे जल्द ही क्रियान्वित किया जाएगा।

नरेंद्र कश्यप ने इस बात पर जोर दिया कि बढ़ती महंगाई के मद्देनजर 20,000 रुपये की मौजूदा अनुदान राशि अपर्याप्त साबित हो रही थी। इसी बात को ध्यान में रखते हुए सरकार ने यह निर्णय लिया है ताकि पिछड़े वर्ग के परिवारों को उनकी बेटियों की शादी में पर्याप्त आर्थिक सहायता मिल सके। उन्होंने बताया कि चालू वित्त वर्ष में इस योजना के लिए 200 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है, जो सरकार की इस दिशा में प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

यह योजना उन परिवारों के लिए डिज़ाइन की गई है जिनकी वार्षिक आय एक लाख रुपये से कम है। यह आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को लक्षित करती है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सामाजिक और आर्थिक बाधाओं के कारण बेटियों के विवाह में कोई रुकावट न आए।

एक उल्लेखनीय बात यह भी है कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में इससे अधिक अनुदान प्रदान किया जाता है, जिसके कारण पिछड़े वर्ग की बेटियों के लिए चलाई जा रही इस विशेष योजना में लोगों की रुचि कम हो रही थी। अनुदान राशि में वृद्धि का यह प्रस्ताव इस असमानता को दूर करने और इस योजना को अधिक आकर्षक बनाने के उद्देश्य से लाया गया है। सरकार का लक्ष्य है कि अधिक से अधिक जरूरतमंद परिवार इस योजना का लाभ उठा सकें और अपनी बेटियों के विवाह को सफलतापूर्वक संपन्न कर सकें।

मंत्री के मुताबिक, यह कदम केवल आर्थिक सहायता प्रदान करने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक समावेश और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण पहल है। पिछड़े वर्ग की बेटियों को विवाह के लिए पर्याप्त सहायता मिलने से न केवल उनके परिवारों पर वित्तीय बोझ कम होगा, बल्कि यह उन्हें समाज में एक सम्मानजनक स्थान प्राप्त करने में भी मदद करेगा। उत्तर प्रदेश सरकार का यह निर्णय निश्चित रूप से लाखों परिवारों के लिए राहत भरी खबर है और यह दर्शाता है कि सरकार वंचित वर्गों के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है।

खुदाई करते ही निकलने लगे सोने के सिक्के, मजदूरों की फटी रह गई आंखें, पुलिस बोली- सालों पुराने हैं

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

अलीगढ़। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में शुक्रवार के दिन रोजाना की तरह कुछ मजदूर अपने काम पर लगे हुए थे। पाइपलाइन डालने के लिए वो खुदाई कर रहे थे। तभी उनके हाथ कुछ ऐसी चीज लगी जिसे देख सभी दंग रह गए। वहां उन्हें कई सोने के सिक्के और बेसकीमती चीजें में मिली। जैसे ही मामले की जानकारी लगी तो लोगों की भीड़ मौके पर इकट्ठा हो गई। अब पूरा मामला इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है।

मामला क्वार्सी थाना क्षेत्र के बरहेती गांव का है। यहां पानी निकालने के लिए गड्ढा खोदा गया। इस दौरान मजदूरों को सोने के 11 चमचमाते सिक्के मिले। खुदाई में सिक्के मिलने की पूरे इलाके में आग की तरह फैल गई। जैसे ही लोगों को मामले की भनक लगी तो मौके पर पहुंचे। धीरे-धीरे लोगों की भीड़ इकट्ठा हुई। जिसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और खुदाई में मिले 11 सिक्कों को जब्त कर लिया। सिक्के काफी पुराने बताए जा रहे हैं।

पुरातत्व विभाग को सौंपेंगे सिक्के

पुलिस का कहना है कि सिक्कों को जब्त करके पुरातत्व विभाग को सौंपा जाएगा। जिसकी जांच पुरातत्व विभाग करेगा। हालांकि, कुछ लोगों का दावा है कि खुदाई में केवल सिक्के ही न कई और चीजें भी मिली हैं, जिसे लोगों ने अपने पास रख लिया है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि खुदाई में मिली हुई चीजों को प्रशासन को सौंप दें।

किसान को गड़ा मिला खजाना

इससे पहले मध्य प्रदेश के डिंडौरी से भी ऐसा ही मिलता जुलता सामने आया था। किसान बकरियां चराने के लिए खेत में गया था। खेत में ही उसे गड़ा हुआ एक हंडा मिला जिसे किसान ने जमीन से निकाला और देखा तो उसमें प्राचीन मुद्राएं और एक घंटी रखी हुई थी। मुद्राएं देखकर किसान घबरा गया और यह सोचकर कि इसमें कोई बुरी शक्ति हो सकती है, उसने हंडा गांव के कबाड़ी को सौंप दिया।

कबाड़ी के मन में आया खोट

गांव का कबाड़ी मुद्राओं को देखकर लालच में आ गया। उसने हंडे को अपने घर के बरामदे में छिपा दिया और अगले दिन किसी सुनार या जानकार से उनकी असली कीमत जानने की योजना बनाने लगा। इस बीच किसान ने घर जाकर परिवार को पूरी घटना बताई। परिवार ने गांव वालों के साथ कबाड़ी के घर जाकर मुद्राओं को देखा। इसके बाद खजाना मिलने की खबर पूरे गांव में फैल गई और पुलिस तक पहुंच गई। पुलिस मौके पर पहुंची और कबाड़ी के घर से हंडा व मुद्राएं बरामद कीं। पुलिस ने मुद्राओं की जांच के लिए पुरातत्व विभाग से संपर्क साधा है। अधिकारियों का मानना है कि ये मुद्राएं काफी पुरानी हो सकती हैं और ऐतिहासिक महत्व रखती हैं।

तुराबखानी में जुलूस ए बीसवॉं में उमड़ी भीड़

सुलतानपुर। अंजुमन पंजतनी तुराबखानी की तरफ से इमाम बाड़ा जैनबिया में एक मजलिस का आयोजन किया गया जिसको मौलाना एकरार रजा रामपुर ने पढ़ी। उन्होंने कहा दुनिया में बहुत सी जंगें हुई लेकिन किसी भी जंग में जंग के बाद औरतों और बच्चों पर ऐसा अत्याचार नहीं किया गया जिस तरीके से अत्याचार हुसैन के घरवालो पर किया गया जब हुसैन के घरवालो वालों का काफिला सीरिया के बाजार में पहुँचा तो यजीदी फौज द्वारा उन कैदियों पर आग गरम पानी और पत्थर फेकवाये गये जो मानवता के खेलाफ है। इसके बाद शबीह ताबूत हजरत इमाम जैनुल आबदीन अलैहिस्सलाम निकाला गया। और मुकामी अंजुमनो के अलावा बाहरी अंजुमनो गुलशने इस्लाम भौंरा सादात आम्बेडकर नगर अंजुमन मोहाफिजे अजा कदीम इलाहाबाद ने नौहा पढ़ा और मातम किया दौराने जुलूस मौलाना जीशान आजमी मौलाना शारिब अब्बास अकबरपुर मौलाना नदीम रजा जैदी फैजाबाद ने तकरीर की अंत में करबला के शहीदों के लाशो को बनी असद के द्वारा दफन का मंजर पेश किया गया।

अंडरवियर पहने दुकान में घुसा चोर, हाथ में थी लोहे की रॉड... उड़ा ले गया 8 लाख रुपये

आर्यावर्त संवाददाता

कासगंज। उत्तर प्रदेश के कासगंज से चोरी का अजीब मामला सामने आया है। यहां अंडरवियर पहने एक चोर ने लोहे की रोड की मदद से एक दुकान से आठ लाख रुपये चोरी कर लिए। चोरी की पूरी वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। बेखौफ चोर छत के जरिए दुकान में आया और घटना को आराम से अंजाम देकर फरार हो गया। घटना से लोगों में शहर में कच्छा-बनियाना गैंग का खौफ छा गया है। घटना से शहर के व्यापारियों में गुस्सा है। पुलिस ने पीड़ति दुकानदार की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के मुताबिक, चोरी की यह घटना कासगंज के ठंडी सड़क की है। यहां मोहल्ला नवाब बड्डूनगर निवासी मोहम्मद हारून की बैटरी-इन्वर्टर की दुकान है। वह हॉलसेल व्यापारी हैं। हारून के मुताबिक, उन्होंने सुबह दुकान खोली तो वहां सामान अस्त व्यस्त पड़ा हुआ था। उन्होंने जब अपने काउंटर की पैसे रखने वाली दराज चेक की तो वहां रखा आठ लाख रुपए का कैश गायब था। यह देख हारून घबरा गए और उन्होंने दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की चेक किया।

हाथ में थी लोहे की रॉड

सीसीटीवी फुटेज में एक लड़का अंडरवियर पहने हुए छत की सीढ़ियों से दुकान में दाखिल होते दिखा। उसके हाथ में एक लोहे की रॉड थी। उसने काउंटर की दराज की चेक किया। नीचे वाली दराज का लॉक तोड़कर उसने उसमें रखे नोटों के बंडल को निकाला। उसने अन्य दराजों को भी चेक किया। उसके बाद वह आराम से सभी रुपये लेकर वापस सीढ़ीयों से छत से फरार हो गया। हैरानी की बात यह रही कि वह दो मिनट से ज्यादा दुकान में रहा और बगैर किसी डर के चोरी की वारदात को अंजाम दे गया। उसके चेहरे पर कोई नकाब भी नहीं था।

कच्छा-बनियान गिरोह

इस वारदात की खबर लगते ही शहर में कच्छा-बनियान गिरोह का खौफ फिर से फैल गया है। लोगों में डर है कि गिरोह के सदस्य शहर में घुस आए हैं और चोरी की वारदात को अंजाम दे रहे हैं। इधर, पुलिस ने पीड़ति की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर चोर की तलाश शुरू कर दी है। खुद एसपी ने मौके पर जाकर घटना की जानकारी ली। व्यापारियों में सुरक्षा को लेकर डर बैठा हुआ है, उन्होंने घटना के जल्द खुलासे की मांग की है।

कारगिल में दुश्मनों के छक्के छुड़ाए, 26 साल बाद क्या भुला दी गई शहादत? परिवारों का दर्द

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

कानपुर। आज 26 जुलाई है, वो दिन जब 26 साल पहले कारगिल की बर्फीली चोटियों पर भारतीय सेना ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए विजय का परचम लहराया था। साल 1999 में हुए कारगिल युद्ध में लखनऊ के कई जांबाजों ने अपनी वीरता की ऐसी गाथाएं लिखीं, जिन पर पूरे देश को गर्व है। इन शहीदों में परमवीर चक्र विजेता कैप्टन मनोज पांडे, मेजर रीतेश शर्मा, राइफलमैन सुनील जंग, लांस नायक केवलानंद द्विवेदी, और कैप्टन आदित्य मिश्र जैसे वीर सपूत शामिल हैं। इनकी शहादत ने देश के लिए सर्वोच्च बलिदान की मिसाल कायम की। लखनऊ को अपने इन बेटों की बहादुरी पर हमेशा गर्व रहेगा।

हालांकि, इस गौरवशाली दिन पर एक कसक भी है। शहीदों के परिजनों के दिलों में आज भी उन सरकारी वादों के पूरे न होने का दर्द है, जो उनसे किए गए थे। 26वें

कारगिल विजय दिवस के अवसर पर हमें न केवल इन वीरों की शौर्य गाथाओं को याद करना चाहिए, बल्कि यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि उनके परिवारों को दिए गए वादे पूरे हों। तभी हम सही मायनों में शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि दे पाएंगे।

कैप्टन मनोज पांडे (परमवीर चक्र विजेता)

4 मई 1999 को खालूबार की बर्फीली चोटियों पर भारतीय चौकियों को दुश्मनों से मुक्त कराने की जिम्मेदारी कैप्टन मनोज पांडे के कंधों पर थी। अदम्य साहस का परिचय देते हुए उन्होंने एक-एक कर चार दुश्मन बंकरों को ध्वस्त किया, लेकिन इस मिशन में वह वीरगति को प्राप्त हुए। उनके पिता गोपीचंद पांडे आज भी बेटे की याद में डूबे रहते हैं। वे कहते हैं, "मनोज का जाना मेरे जीवन में एक ऐसा खालीपन छोड़ गया, जो शायद मृत्यु के बाद ही भर पाएगा।"

मेजर रीतेश शर्मा

लखनऊ के लामाटीनियर कॉलेज के होनहार छात्र रहे मेजर रीतेश शर्मा ने कारगिल युद्ध के बाद कुपवाड़ा में एक आतंकी ऑपरेशन के दौरान अपनी जान गंवाई। 25 सितंबर 1999 को एक खाई में गिरने के बाद अस्पताल में उनका निधन हो गया। उनके पिता सत्यप्रकाश शर्मा बताते हैं, "सरकार ने हमें लीज पर जमीन दी, लेकिन इसका उपयोग नहीं हो पा रहा। अगर इसे फ्री होल्ड कर दिया जाए, तो परिवार को राहत मिलेगी।" उनकी आवाज़ में बेटे के बलिदान का गर्व और अधूरे वादों का दर्द साफ झलकता है।

राइफलमैन सुनील जंग

गोरखा राइफल्स में 1995 में भर्ती हुए सुनील महज 21 साल की उम्र में शहीद हो गए। उनकी मां बीना जंग बताती हैं कि सुनील के दादा मेजर नकुल जंग और पिता नर नारायण जंग भी सेना में अपनी सेवाएं दे चुके थे। बीना कहती हैं, "सुनील के नाम पर स्टेडियम बनाने का वादा हुआ था, उसे मरणोपरांत शौर्य चक्र देने की बात थी। लेकिन 26 साल बाद भी ये वादे अधूरे हैं।" उनकी आंखों में बेटे की याद और अधूरी उम्मीदों का दर्द साफ दिखता है।

कैप्टन आदित्य मिश्र

8 जून 1996 को सेना के सिग्नल कोर में सेकेंड लेफ्टिनेंट के रूप में भर्ती हुए आदित्य ने बटालिक की 17 हज़ार फीट ऊंची चोटी पर भारतीय पोस्ट को दुश्मनों से मुक्त कराया। सिग्नलिंग के तार बिछाते हुए, रगों से लहू बहता रहा, फिर भी वे डटकर लड़े और वीरगति को प्राप्त हुए। उनकी शौर्य गाथा आज भी हर भारतीय के दिल में बस्ती है।

लांस नायक केवलानंद द्विवेदी

अपनी बीमार पत्नी कमला को छोड़कर कारगिल युद्ध में गए केवलानंद ने देश के लिए जान न्यौछावर कर दी। कमला ने जैसे-तैसे अपने बेटों तीरघराज और हेमचंद को पढ़ाया-लिखाया, लेकिन उन्हें हमेशा यह मलाल रहा कि पति के बलिदान को वह सम्मान नहीं मिला, जिसका वे हक़दार थे। कमला कहती हैं, "सरकार ने नौकरी और अन्य सुविधाओं का वादा किया था, लेकिन कुछ भी पूरा नहीं हुआ।" उनके परिवार को आज भी सरकारी उदासीनता का दंश झेलना पड़ रहा है।

लखनऊ के दो भाइयों का अनोखा शौर्य

कारगिल युद्ध में लखनऊ के दो भाइयों, कर्नल जीपीएस कौशिक और स्क्वैड्रन लीडर एसपीएस कौशिक, ने भी अपनी वीरता से इतिहास रचा। कर्नल कौशिक ने सेना के एविएशन कोर के हेलीकॉप्टर से युद्ध में 3500 ऑपरेशन किए, ज़रूरी रसद और सैन्य सामग्री पहुंचाई। वहीं, उनके भाई स्क्वैड्रन लीडर कौशिक ने वायुसेना के जहाजों से पैरा कमांडो को युद्धक्षेत्र तक पहुंचाया। इन भाइयों की जांबाजी ने लखनऊ का सिर गर्व से ऊंचा किया।

अधूरे वादों का दर्द

शहीदों के परिवारों का कहना है कि उनके बलिदान को सम्मान तो मिला, लेकिन सरकार के वादे कागजों तक सीमित रह गए। राइफलमैन सुनील जंग की मां बीना कहती हैं, "मेरा बेटा देश के लिए लड़ा, लेकिन हमें वह सम्मान और सुविधाएं नहीं मिलीं, जो वादा किया गया था।" मेजर रीतेश शर्मा के पिता सत्यप्रकाश की मांग है कि लीज की जमीन को फ्री होल्ड किया जाए, ताकि परिवार उसका उपयोग कर सके। लांस नायक केवलानंद की पत्नी कमला का कहना है, "हमने सबकुछ खो दिया, लेकिन सरकार ने हमें कुछ नहीं दिया।"

कारगिल विजय दिवस केवल शहीदों की वीरता को याद करने का दिन नहीं है, बल्कि यह एक मौका है उनके परिवारों की पीड़ा को सुनने और उनके लिए किए गए वादों को पूरा करने का। लखनऊ के इन जांबाजों ने अपने प्राणों की आहुति देकर देश की रक्षा की, लेकिन उनके परिजनों की शिकायतें बताती हैं कि अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। क्या हम उनके बलिदान का पूरा सम्मान सुनिश्चित कर पाएंगे?

गांवों के समग्र विकास से ही विकसित भारत का सपना पूरा होगा: उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य

ग्राम्य विकास विभाग की उपलब्धियों की समीक्षा, मनरेगा में महिला भागीदारी देश में सर्वश्रेष्ठ

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि देश के विकास का आधार गांवों का समग्र और संतुलित विकास है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ग्रामीण क्षेत्र को सशक्त, स्वावलंबी एवं आत्मनिर्भर बनाना आवश्यक है। इसके लिए स्मार्ट सिटी की तरह स्मार्ट गांवों का निर्माण करना होगा ताकि विकास के परिणाम धरातल पर स्पष्ट दिखाई दें।शनिवार को योजना भवन में प्रदेश के समस्त मुख्य विकास अधिकारियों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए उप मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश का ग्राम्य विकास विभाग देश में कई योजनाओं में टॉप पर है और मनरेगा में महिलाओं की भागीदारी देश में सर्वश्रेष्ठ है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निष्क्रिय स्वंय सहायता समूहों को सक्रिय करने पर विशेष ध्यान दिया जाए और प्रधानमंत्री आवास योजना को और अधिक पारदर्शी तथा निष्पक्ष बनाया जाए।केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता गरीबों का कल्याण करना है। उन्होंने पीएमजीएसवाई की एफडीआर तकनीक की सफलता का उल्लेख करते हुए सड़कों की नियमित निगरानी करने का निर्देश दिया। साथ ही, समूहों के उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाकर उन्हें देश-विदेश के बाजारों तक पहुंचाने तथा ग्रामीण युवाओं को प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना से जोड़ने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि ग्राम विकास अधिकारी गांवों के विकास कार्यों की जमीनी हकीकत को समझें और मनरेगा से कराए गए पुराने कार्यों का अनुरक्षण सुनिश्चित करें। इसके अलावा, प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए एक समर्पित पोर्टल विकसित किया जाएगा। ग्राम चौपाल को जनता से जुड़ने का सशक्त माध्यम बनाकर ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाना चाहिए।इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने मनरेगा के तहत खेल मैदान बनाने में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 11 खंड विकास अधिकारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। साथ ही, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन में बेहतर कार्य के लिए वाराणसी, अम्बेडकर नगर और बिजनौर के मुख्य विकास अधिकारियों को क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान देकर पुरस्कृत किया गया।उन्होंने बटन दबाकर राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के डैशबोर्ड का शुभारंभ किया और ग्राम्य विकास विभाग की त्रैमासिक पत्रिका के पांचवें संस्करण का विमोचन भी किया। उपमुख्यमंत्री ने विभाग की विभिन्न योजनाओं में देश में शीर्ष स्थान पर रहने पर संबंधित अधिकारियों को बधाई दी और सराहना की।केशव प्रसाद मौर्य ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि विकसित भारत के निर्माण के लिए ग्रामीण क्षेत्र का समग्र व चहुंमुखी विकास आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गांवों में गरीबी मुक्त वातावरण बनाया जाए और हर व्यक्ति को आजीविका के अवसर उपलब्ध कराए जाएं। तकनीकी का भरपूर उपयोग कर ग्रामीणों को खेती के साथ उद्यमों से जोड़ने का काम किया जाए।सड़कों की कनेक्टिविटी, आंतरिक गलियों व नालियों की सफाई, जल निकासी के पर्याप्त प्रबंध, अमृत सरोवर के पास वृक्षारोपण जैसी गतिविधियों को तेजी से लागू किया जाए। मनरेगा में 100 दिन कार्य करने वाले श्रमिकों को बीओसीडब्ल्यू बोर्ड में पंजीकृत कर उनकी सुविधाओं के बारे में जागरूक किया जाए।उन्होंने दिव्यांग लाभार्थियों को मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराने, ग्राम चौपालों को और प्रभावी बनाने, महिला सशक्तिकरण पर विशेष ध्यान देने और प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग योजना में बड़े यूनिट लगाने की कार्ययोजना बनाने पर भी जोर दिया।बैठक में राज्यमंत्री ग्राम्य विकास विभाग विजय लक्ष्मी गौतम, अपर मुख्य सचिव उद्यान एवं खाद्य संस्करण विभाग बीएल मीणा, सचिव एवं आयुक्त ग्राम्य विकास विभाग गौरी शंकर प्रियदर्शी, यूपीआरआरडीए मुख्य कार्यपालक अधिकारी अखंड प्रताप सिंह, मिशन निदेशक राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन दीपा रंजन समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।यह बैठक उत्तर प्रदेश सरकार की ग्रामीण विकास के प्रति प्रतिबद्धता और विकास कार्यों को गति देने के प्रयासों की मजबूत मिसाल है।

मलिहाबाद पुलिस ने गैरजमानती वारंट के आरोपी मोतीलाल को धर दबोचा, न्यायालय के आदेशों का किया पालन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस के पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के उत्तरी जोन अंतर्गत मलिहाबाद थाना पुलिस ने सोमवार को गैरजमानती वारंट के तहत फरार चल रहे मोतीलाल पुत्र भोला को गिरफ्तार कर न्यायालय के आदेशों का पालन सुनिश्चित किया। आरोपी मोतीलाल निवासी ग्राम भुलभुलाखेडा थाना मलिहाबाद पर कृषि भूमि से जुड़ी धाराओं के तहत मामला दर्ज था और वह लंबे समय से पुलिस की पकड़ से बाहर था। पुलिस ने बताया कि माननीय न्यायालय द्वारा जारी गैरजमानती वारंट के बाद व्यापक खोजबीन के बाद आरोपी को उसके घर से हिरासत में लिया गया। गिरफ्तारी के बाद उसे न्यायालय में पेश किया गया जहां से उसकी अगली विधिक प्रक्रिया जारी है।मलिहाबाद पुलिस की उपनिरीक्षक सलामुल्लाह खान और हेड कॉन्स्टेबल विनोद कुमार यादव की टीम ने संयुक्त रूप से इस गिरफ्तारी में अपनी सक्रियता दिखाई। इस सफलता से स्थानीय लोग संतुष्ट हैं और पुलिस की कार्यप्रणाली की प्रशंसा कर रहे हैं।पुलिस अधिकारियों ने कहा कि ऐसे अभियानों से यह संदेश जाता है कि कोई भी अपराधी न्याय व्यवस्था से भाग नहीं सकता और सभी फरार आरोपियों को कड़ी कार्रवाई के तहत लाया जाएगा। मलिहाबाद पुलिस ने इस बात पर भी जोर दिया कि जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने और अपराध मुक्त वातावरण सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयास जारी रहेंगे।यह गिरफ्तारी पुलिस की तत्परता और न्यायालय के आदेशों के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है, जो अपराधियों के लिए सख्त संदेश भी है। स्थानीय जनता की सुरक्षा और शांति बनाए रखने के लिए पुलिस विभाग प्रतिबद्ध है।

हरियाली उत्सव सीजन फोर – फन मोर में चुनी गई श्रुति कृति मिश्रा नव अंशिका हरियाली क्वीन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। रेल विहार और नव अंशिका फाउण्डेशन की ओर से शनिवार 26 जुलाई को "हरियाली उत्सव सीजन फोर - जोश मोर" का आयोजन गोमती नगर विराज खंड स्थित होटल क्लासियो कलेक्शन में किया गया। इसमें नव अंशिका फाउण्डेशन की अध्यक्षा नीशू त्यागी के संयोजन में सौन्दर्य और टैलेंट की एक से बढ़कर एक दिलचस्प प्रतियोगिताएं हुईं। "हरियाली उत्सव सीजन फोर - जोश मोर" में रैंप वॉक और टैलेंट हंट शो आकर्षण का केन्द्र बने वहीं सौन्दर्य प्रतियोगिताएं केन्द्रीय आकर्षण रही। इसमें नव अंशिका हरियाली क्वीन 2025 का टाइटल श्रुति कीर्ति मिश्रा को मिला वहीं स्वीट सिक्सटी नीरा लोहनी हरियाली क्वीन 2025 का ताज मिला। निर्णायक मंडल में आभा कुमार, गरिमा श्रीवास्तव और अर्चना श्रीवास्तव शामिल रहीं।

सांस्कृतिक कार्यक्रम की कड़ी में श्रुति-कीर्ति मिश्रा ने प्रथम देव गणपति की वंदना जय हो गजानन पेश की। "सावन की बरसे बदरिया" सावन गीत पर विमला राव, आभा कुमार, गरिमा श्रीवास्तव, कनक, संगीता कुमार, नीरा लोहानी ने सुंदर नृत्य किया। इस क्रम में "गीत मल्हार मैं गाऊंगी, मेरे आए सांवरिया" गीत को रेखा चौधरी, पूनम पाण्डेय, शाहीन, रेनू जोशी, पम्मी मायर, मंजु विष्ट ने सुनाया। इसके साथ ही शक्ति श्रीवास्तव ने "हमके सावन में झुलनी गढाई द पिया" मशहूर कजरी गीत ने सुनाया।

रेडक्रॉस सोसाइटी जनसेवा और मानवता की मिसाल, ब्रजेश पाठक निर्विरोध बने प्रदेश शाखा के सभापति

स्वास्थ्य, आपदा राहत और सामाजिक चेतना के क्षेत्र में निभा रही ऐतिहासिक भूमिका : उपमुख्यमंत्री

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा है कि इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी केवल एक संस्था नहीं, बल्कि सेवा, करुणा और मानवता का सशक्त प्रतीक है। उन्होंने कहा कि देशभर में फैली 1100 से अधिक शाखाओं के माध्यम से यह सोसाइटी आपदा राहत, स्वास्थ्य सेवाओं, रक्तदान अभियान और सामाजिक जागरूकता के क्षेत्रों में अभूतपूर्व कार्य कर रही है।ब्रजेश पाठक शुक्रवार को इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी की उत्तर प्रदेश राज्य शाखा के चुनाव कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर वह राज्य शाखा के सभापति पद पर निर्विरोध चुने गए। वहीं कोषाध्यक्ष पद के लिए अरुण कुमार सिंह के नाम पर भी सर्वसम्मति से मुहर लगी।डिप्टी सीएम ने कहा कि

रेडक्रॉस सोसाइटी न केवल स्वास्थ्य और आपदा प्रबंधन में अहम भूमिका निभा रही है, बल्कि समाज में निष्पक्षता, निस्वार्थ सेवा और एकता जैसे मानवीय मूल्यों को भी लगातार मजबूत कर रही है। "युद्ध या संकट की घड़ी में जब तमाम संस्थाएँ पीछे हट जाती हैं, तब रेडक्रॉस ही वह नाम होता है जो बिना किसी भेदभाव के पीड़ितों तक मदद पहुंचाने में सबसे आगे रहता है," उन्होंने कहा।चुनाव अधिकारी गंगाराम गुप्ता ने बताया कि प्रदेश शाखा के सभापति और कोषाध्यक्ष के नाम फतेहपुर के चेयरमैन अनुराग श्रीवास्तव द्वारा प्रस्तुत किए गए थे। प्रस्ताव का समर्थन पूर्व उपसभापति अखिलेंद्र शाही ने किया, जिसे सभा ने ध्वनि मत से सर्वसम्मति से स्वीकार किया।इस अवसर पर अखिलेंद्र शाही ने बीते वर्षों में रेडक्रॉस द्वारा किए गए कार्यों का विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि संस्था ने कोविड संकट से लेकर बाढ़, आग और अन्य आपदाओं में तत्परता से राहत पहुंचाई है। प्राथमिक उपचार प्रशिक्षण, रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य जांच कैंप और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य जागरूकता अभियानों के माध्यम से सोसाइटी ने अपनी भूमिका को सशक्त रूप में निभाया है।चुनाव सभा में बड़ी संख्या में रेडक्रॉस पदाधिकारी, क्षेत्रीय प्रतिनिधि और समाजसेवी उपस्थित रहे। सभा के दौरान प्रदेश शाखा के भविष्य की कार्ययोजना और सेवा विस्तार पर भी चर्चा की गई।इस निर्विरोध निर्वाचन के साथ ही इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी उत्तर प्रदेश राज्य शाखा ने सामाजिक सेवा के अपने संकल्प को एक बार फिर और मजबूत कर लिया है। जनहित और मानवीय मूल्यों के प्रति समर्पण के साथ आगे बढ़ती इस संस्था के नेतृत्व में प्रदेश में सेवा कार्यों को नई गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

कैसरबाग में शांति भंग कर रहे युवक को पुलिस ने किया गिरफ्तार, समय रहते टली गंभीर घटना

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के थाना कैसरबाग क्षेत्र स्थित मछली मोहाल जम्बूखाना में शनिवार को उस समय अफरातफरी मच गई, जब एक युवक अपने ही पड़ोसी से विवाद में इस कदर उलझ गया कि स्थिति तनावपूर्ण हो गई। सूचना मिलने पर कैसरबाग पुलिस ने मौके पर पहुंचकर युवक को हिरासत में लेकर स्थिति को संभाल लिया।पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के जोन पश्चिमी अंतर्गत आने वाले थाना कैसरबाग में उपनिरीक्षक कपिल कुमार राणा अपनी टीम के साथ इलाके में शांति व्यवस्था बनाए रखने एवं संदिग्ध व्यक्तियों की तलाश में गश्त कर रहे थे। तभी उन्हें सूचना मिली कि मछली मोहाल जम्बूखाना इलाके में दो पड़ोसियों के बीच जोरदार विवाद चल रहा है और एक व्यक्ति लगातार गाली-गलौज कर रहा है जिससे इलाके का माहौल बिगड़ने की आशंका है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची।

मौके पर मौजूद मोहम्मद शादाब उर्फ गोलू (उम्र लगभग 23 वर्ष), पुत्र नौशाद, निवासी मछली मोहाल जम्बूखाना, अपने पड़ोसी जावेद (पुत्र फरहाद) के साथ किसी बात को लेकर न केवल जोर-जोर से गाली-गलौज कर रहा था, बल्कि आमादा फौजदारी की स्थिति में था। पुलिस ने दोनों पक्षों को शांत करने की कोशिश की, परंतु शादाब ने पुलिस की बात नहीं मानी और और भी अधिक आक्रोशित होकर अशोभनीय भाषा का प्रयोग करने लगा।स्थिति को बिगड़ने से पहले नियंत्रण में लेते हुए पुलिस ने मोहम्मद शादाब उर्फ गोलू को तत्काल हिरासत में ले लिया। गिरफ्तारी की कार्रवाई मानवाधिकार आयोग एवं उच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशों का पूर्ण रूप से पालन करते हुए की गई।

28 जुलाई को निकलेगी श्री कोतवालेश्वर महादेव की नगर भ्रमण यात्रा, चांदी की पालकी में दर्शन देंगे बाबा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। ऐतिहासिक चौक कोतवाली स्थित श्री कोतवालेश्वर महादेव मंदिर से इस वर्ष 28 जुलाई को भगवान कोतवालेश्वर महादेव की भव्य नगर भ्रमण यात्रा निकाली जाएगी। इस धार्मिक आयोजन की जानकारी मंदिर परिसर में आयोजित प्रेसवार्ता में मंदिर के महंत विशाल गौड़ ने दी।महंत गौड़ ने बताया कि भगवान कोतवालेश्वर महादेव को चांदी की भव्य पालकी में विराजमान कर नगर भ्रमण यात्रा पर निकाला जाएगा। यात्रा की शुरुआत मंदिर प्रांगण से आरती और गॉड ऑफ ऑनर के साथ होगी, जिसे प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा सम्पन्न किया जाएगा। होमगार्ड का बैंड महादेव की अगुवाई करते हुए नगर भ्रमण की शोभायात्रा का शुभारंभ करेगा।यह नगर भ्रमण यात्रा कोतवालेश्वर मंदिर से प्रारंभ होकर कोनेश्वर और चरक चौराहा होते हुए विभिन्न मार्गों से

गुजरती हुई पुनः मंदिर परिसर में लौटेगी। वापसी के समय मंदिर परिसर में भव्य आतिशबाजी का आयोजन भी किया जाएगा। महंत ने बताया कि ₹नगर भ्रमण यात्रा के माध्यम से बाबा महादेव नगरवासियों के हाल-चाल लेंगे।₹यात्रा में भाग लेने वाले प्रमुख आकर्षणों में महाराष्ट्र से आए कलाकारों द्वारा बनाई जाने वाली रंगोली, प्रशासनिक घोड़े, लिल्ली घोड़ी, ऊंट, 10 झांकीयुक्त रिक्शे, ब्रास बैंड, 6 बग्गियां, डमरू ग्रुप, बनारसी झांकी, डीजे इलु मस्ताना की झांकी, 11 फीट ऊंची भगवान शंकर की मूर्ति, पीले वस्त्रों में महिलाओं द्वारा झांझ की ध्वनि, और ऑक्सीजन गैस से पुष्पवर्षा शामिल हैं। यात्रा एक भक्ति और सांस्कृतिक आयोजन के रूप में सजीव होगी।इस धार्मिक आयोजन में उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक, उत्तराखंड की पूर्व राज्यपाल बेबी रानी मौर्य, भाजपा नेत्री अपर्णा यादव, भाजपा नेता नीरज सिंह, राज्यसभा सांसद डॉ. महेन्द्र सिंह और भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष विनय कटियार को आमंत्रण भेजा गया है। महंत ने बताया कि सभी गणमान्य अतिथियों के सम्मिलित होने की आशा है।यात्रा आयोजन में श्री कोतवालेश्वर ट्रस्ट के पदाधिकारीगण—अजय अग्रवाल, सोनू अग्रवाल, आनंद रस्तोगी, अजय खन्ना, संदीप अग्रवाल, अंकुर दीक्षित, पंकज अग्रवाल, अवध अग्रवाल, आशीष मिश्रा, डॉ. राजकुमार वर्मा, अनुराग मिश्रा, निखिल अग्रवाल, आचार्य राजेश शुक्ला, नीरज अवस्थी सहित अनेक श्रद्धालु और स्वयंसेवक महत्वपूर्ण भूमिका में उपस्थित रहेंगे।यह नगर भ्रमण यात्रा न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक बनेगी बल्कि लखनऊवासियों के लिए श्रद्धा, उल्लास और भक्ति से परिपूर्ण एक अविस्मरणीय अनुभव भी बनकर उभरेगी।

चित्रकूट में श्रद्धालुओं के स्वागत को भव्य बनाने की तैयारी, तीन भक्ति-थीम प्रवेश द्वारों का होगा निर्माण

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। भगवान श्रीराम की तपोभूमि चित्रकूट में अब श्रद्धालुओं का स्वागत और भी भव्य व भावनात्मक रूप में होगा। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने तीर्थ स्थलों के विकास की योजना के अंतर्गत चित्रकूट में तीन प्रमुख सड़क मार्गों पर भक्ति थीम पर आधारित प्रवेश द्वारों के निर्माण की परियोजना शुरू की है। इसके लिए 5 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी गई है। यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी।पर्यटन मंत्री ने बताया कि इन तीन प्रवेश द्वारों का निर्माण प्रयागराज-चित्रकूट, बांदा-चित्रकूट और कौशांबी-चित्रकूट मार्ग पर किया जा रहा है। इन मार्गों से चित्रकूट आने वाले श्रद्धालुओं को भक्ति और स्थापत्य की एक ऐसी झलक मिलेगी जो उन्हें रामायण काल के आध्यात्मिक परिवेश की अनुभूति कराएगी।जयवीर सिंह ने कहा कि चित्रकूट वह भूमि है जहां वनवास के दौरान प्रभु श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण ने साढ़े ग्यारह वर्ष बिताए थे। यह स्थल राम वन गमन पथ का अत्यंत पवित्र पड़ाव है और राज्य सरकार इसे आध्यात्मिक पर्यटन के वैश्विक मानचित्र पर प्रमुखता से स्थापित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। परियोजना के तहत बनने वाले प्रवेश द्वारों की डिज़ाइन में भगवान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण की छवियां, धार्मिक प्रतीक, स्थानीय स्थापत्य शैली और लोक संस्कृति की झलक समाहित की जा रही है। पर्यटन मंत्री ने बताया कि इसका उद्देश्य केवल श्रद्धालुओं का स्वागत भर नहीं, बल्कि उन्हें यात्रा के दौरान चित्रकूट की दिव्यता, आध्यात्मिक गरिमा और सांस्कृतिक

सेठ आनंदराम जैपुरिया स्कूल, शहीद पथ, लखनऊ को क्यू एस आई गेज द्वारा डायमंड रेटिंग मिली

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। शिक्षा के सभी पहलुओं में उत्कृष्टता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की मान्यता में, सेठ आनंदराम जैपुरिया स्कूल, शहीद पथ, लखनऊ को भारतीय स्कूलों के लिए क्यू एस आई गेज रेटिंग द्वारा समग्र डायमंड रेटिंग प्रदान की गई है। डायमंड रेटिंग पाने वाला यह लखनऊ शहर का पहला और उत्तर प्रदेश का दूसरा स्कूल है।

क्यू एस आई गेज स्वतंत्र रूप से भारत में स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों का मूल्यांकन करता है। यह भारतीय शिक्षा परिदृश्य की गहरी स्थानीय अंतर्दृष्टि के साथ क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग के लिए प्रसिद्ध क्यूएस क्वाक्वेरेली साइमंड्स की वैश्विक विशेषज्ञता और प्रतिष्ठा को जोड़ती है।

भारत में 100 से अधिक स्कूलों ने गुणवत्ता मूल्यांकन के लिए क्यू एस आई गेज के साथ साझेदारी की है और उनमें से 50 से अधिक को अब तक रेटिंग दी गई है। सेठ आनंदराम जैपुरिया स्कूल का विभिन्न मानदंडों पर कठोर मूल्यांकन हुआ। इनमे से कुछ मापदंड हैं: शिक्षण और सीखना, योग्यता विकास, सामाजिक जिम्मेदारी और संवेदनशीलता, संसाधन और सुविधाएं, स्वास्थ्य और सुरक्षा, शैक्षणिक सुविधा, जीवन कौशल और व्यावसायिक विकास और कला और संस्कृति।

स्कूल ने समग्र रूप से डायमंड रेटिंग हासिल की और विशेष रूप से योग्यता विकास और स्वास्थ्य और सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए उभरा। यह क्यू एस आई गेज डायमंड रेटिंग प्राप्त करने वाले 17 भारतीय स्कूलों में से एक है।

स्कूल की प्रिंसिपल पूनम कोचिट्टी को 24 जुलाई को हैदराबाद में आयोजित एक कार्यक्रम में क्यू एस आई गेज से रेटिंग का प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ। प्रमाण पत्र मुख्य अतिथि श्री जिष्णु देव वर्मा, माननीय राज्यपाल, तेलंगाना द्वारा दिया गया।

उन्होंने कहा, 'क्यू एस आई गेज द्वारा डायमंड रेटिंग प्राप्त करने पर हमें खुशी है। यह मान्यता शिक्षार्थियों को जिम्मेदार, भविष्य के लिए तैयार नेताओं में विकसित करने के लिए शिक्षा के सभी पहलुओं को बढ़ाने के हमारे स्कूल के समग्र दृष्टिकोण की स्वीकृति है।' 2016 में स्थापित, स्कूल 9 वर्षों की अवधि में शहर में सर्वश्रेष्ठ में से एक बनकर उभरा है।

लुलु मॉल और हाइपरमार्केट ने कारगिल विजय दिवस पर वॉर मेमोरियल पहुंचकर वीर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर लुलु मॉल और लुलु हाइपरमार्केट की ओर से लखनऊ कैंटोनमेंट क्षेत्र स्थित वॉर मेमोरियल पर वीर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस मौके पर लुलु टीम ने 1999 के कारगिल युद्ध में देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले शूरवीरों के अदम्य साहस और बलिदान को नमन किया।इस अवसर पर लुलु समूह के रीजनल मैनेजर (उत्तर प्रदेश व दिल्ली-एनसीआर) नोमान अज़ीज़ खान ने कहा, "हम जो आज़ादी से साँस ले रहे हैं, वह उन्हीं वीरों के बलिदान की वजह से संभव हो सका है। उनका साहस, त्याग और देशभक्ति हमें न केवल गर्व से भरते हैं, बल्कि हर नागरिक को अपने कर्तव्यों की याद भी दिलाते हैं। लुलु परिवार की ओर से मैं उन सभी अमर बलिदानियों को शत-शत नमन करता हूँ जिन्होंने भारत माता की रक्षा में अपने प्राण

न्योछावर किए।"इस कार्यक्रम के दौरान कर्नल एस. राजावेलु, डायरेक्टर वेटरन्स, मुख्यालय मध्य यूपी सब एरिया, ने कारगिल युद्ध से जुड़ी वीरगाथाओं को साझा किया। उन्होंने युद्ध में भाग लेने वाले सैनिकों, परमवीर चक्र व अन्य वीरता पुरस्कारों से सम्मानित वीरों की जानकारी दी और उन चुनौतियों का ज़िक्र किया जिनका सामना भारतीय सैनिकों ने दुर्गम परिस्थितियों में किया।लुलु मॉल और लुलु हाइपरमार्केट की यह पहल न केवल वीर शहीदों के बलिदान की स्मृति को संजोने का एक प्रयास है, बल्कि यह राष्ट्र और रक्षकों के प्रति लुलु समूह की संवेदनशीलता और सम्मान की भावना को भी प्रकट करता है। लुलु समूह ने आश्वस्त किया कि वह आगे भी देश के सैनिकों और उनके परिवारों के प्रति कृतज्ञता और सहयोग की भावना के साथ कार्य करता रहेगा।

भारत एवं यूके के बीच मुक्त व्यापार समझौते से बढ़ेगा विदेशी व्यापार

दिनांक 24 जुलाई 2025 को भारत एवं यूनाइटेड किंगडम (यूके) के बीच द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौता भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं यूके के प्रधानमंत्री श्री कीर स्टारमर की उपस्थिति में सम्पन्न हो गया। यूके के यूरोपीयन यूनियन से अलग होने के बाद यूके का भारत के साथ यह द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौता यूके के इतिहास में सबसे बड़ा द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौता कहा जा रहा है। इस द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौते के सम्पन्न होने के बाद भारत एवं यूके के बीच विदेशी व्यापार में अतुलनीय वृद्धि की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। यूके ने हाल ही में अमेरिका के साथ भी एक व्यापार समझौता सम्पन्न किया है परंतु यूके के प्रधानमंत्री भारत के साथ संपन्न किए गए द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौते को उससे भी बड़ी डील बता रहे हैं। अमेरिका एक ओर जहां विभिन्न देशों के साथ टैरिफ युद्ध की घोषणा कर रहा है एवं अन्य देशों से अमेरिका को होने वाले निर्यात पर भारी भरकम टैरिफ लगा रहा हैं वहीं भारत एवं यूके के बीच द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौते के अंतर्गत टैरिफ की दरों को कम किया जाकर शून्य के स्तर पर लाने के प्रयास किए जा रहे हैं। अतः यह द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौता विश्व के अन्य देशों के लिए एक बहुत बड़ी सीख है।

द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौते के अंतर्गत सामान्यतः दो देशों के बीच होने वाले विदेशी व्यापार पर टैरिफ की दरों को कम किया जाता है अथवा शून्य के स्तर तक लाया जाता है ताकि इन दोनों देशों के बीच विदेशी व्यापार को बढ़ावा दिया जा सके। इसी सिद्धांत के अंतर्गत भारत को जिन क्षेत्रों में लाभ हो सकता है, इनमें फुटवीयर उद्योग, लेदर उद्योग, टेक्सटायल उद्योग, इंजीनीयरिंग उद्योग एवं जेम्स एवं ज्वेलरी उद्योग शामिल हैं। इसी प्रकार यूके को जिन क्षेत्रों में लाभ हो सकता है, इनमे विस्की, कार, चोकलेट, बिस्किट, कासमेटिक, आदि उत्पाद निर्मित करने वाले उद्योग शामिल हैं। साथ ही, यूके को उम्मीद है कि भारत एवं यूके के बीच सम्पन्न हुए इस द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौते से 800 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश भारतीय कम्पनियों द्वारा यूके में किया जा सकता है। यह यूके के लिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे यूके में रोजगार के नए अवसर निर्मित होंगे।

वर्तमान में भारत एवं यूके के बीच 56,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का विदेशी व्यापार प्रतिवर्ष होता है। उक्त द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौते के सम्पन्न होने के बाद भारत एवं यूके के बीच 34,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर प्रतिवर्ष का विदेशी व्यापार बढ़ सकता है। वर्ष 2030 तक भारत एवं यूके के बीच विदेशी व्यापार को 120,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर प्रतिवर्ष के स्तर तक ले जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके बाद वर्ष 2040 तक दोनों देशों के बीच विदेशी व्यापार को 160,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर तक ले जाया जा सकेगा। भारत से यूके को निर्यात होने वाले लगभग 99 प्रतिशत पदार्थों पर यूके द्वारा टैरिफ की दर को शून्य किया जा रहा है। इसी प्रकार, भारत द्वारा भी यूके से आयात किए जाने वाले 64 प्रतिशत पदार्थों पर टैरिफ की दर को शून्य किया जा रहा है। वर्तमान में भारत में यूके से आयात होने वाले पदार्थों पर औसत टैरिफ दर 15 प्रतिशत है, इसे घटाकर 3 प्रतिशत किया जा रहा है। दोनों देशों द्वारा एक दूसरे से विभिन्न पदार्थों के होने वाले विदेशी व्यापार पर टैरिफ की दरें कम करने से दोनों देशों में एक दूसरे से आयात किया जाने वाले उत्पाद सस्ते हों जाएंगे। उत्पाद सस्ते होने से उनकी बाजार में मांग बढ़ेगी, इन उत्पादों की मांग बढ़ने से उनका उत्पादन बढ़ेगा जो अंततः रोजगार के नए अवसर निर्मित करेगा। अतः इस द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौते से दोनों देशों को ही लाभ होने जा रहा है।

भारत के जेम्स एवं ज्वेलरी उद्योग से प्रतिवर्ष यूके को होने वाले निर्यात, आगामी दो वर्षों में दुगने होकर 250 करोड़ अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। टेक्स्टायल उद्योग के मामले में भारत के उत्पादों को वियतनाम एवं बांग्लादेश के साथ गला काट प्रतियोगिता का सामना करना पढ़ता है। परंतु, अब भारत के उत्पादों पर टैरिफ की दरें कम अथवा शून्य होने से भारत के उत्पाद यूके में प्रतिस्पर्धी बन जाएंगे। यूके में कुल आयात होने वाले गारमेंट्स में भारत की हिस्सेदारी केवल 6 प्रतिशत है जो अब आगामी वर्षों में दुगनी होकर 12 प्रतिशत होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। भारत के इंजीनीयरिंग उद्योग को इस मुक्त व्यापार समझौते से अत्यधिक लाभ हो सकता है और भारत के इस क्षेत्र से यूके को निर्यात, वर्ष 2030 तक दुगने होकर 750 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर तक पहुंच जाने की सम्भावना है। समुद्रीय खाद्य उत्पाद के क्षेत्र में भी भारत से यूके को निर्यात जो अभी केवल 10 करोड़ अमेरिकी डॉलर के हैं, दुगने होकर 20 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर सकते हैं। अभी यूके में समुद्रीय खाद्य पदार्थों के कुल आयात में भारत की हिस्सेदारी केवल 3 प्रतिशत की है। लेदर उद्योग से होने वाले भारत से आयात पर भी टैरिफ की दर को यूके में शून्य किया जा रहा है। यहां ध्यान देने वाली बात यह है कि उक्त वर्णित समस्त क्षेत्र/उद्योग भारत में श्रम आधारित उद्योग हैं।

शोध अध्ययन भी बता रहे विशेष गहन पुनरीक्षण की जरूरत

बिहार में विधानसभा की 243 सीटें हैं। विधानसभाओं में कुछ सौ मतदाताओं का अंतर ही जीत-हार पर असर डाल देता है। साल 2020 के विधानसभा चुनावों में करीब बीस प्रतिशत सीटों पर जीत और हार का अंतर महज ढाई फीसद तक ही था।

उमेश चतुर्वेदी

बिहार में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन परीक्षण पर विपक्षी दलों की ओर से सवाल न ही उठता तो हैरत होती। यह ठीक है कि चुनाव आयोग ने अपने 24 जून के इस संदर्भ में दिए गए आदेश में बार-बार बदलाव किया है,लेकिन विपक्षी खेमे की ओर से इस पुनरीक्षण पर सवाल उठने की वजह उनकी आशंका है। उन्हें लगता है कि इस पुनरीक्षण के बहाने उनके वोट बैंक को सत्ता पक्ष यानी बीजेपी और जेडीयू के इशारे पर चुनाव आयोग काट देगा। उनकी आशंका पर चर्चा से पहले एक हालिया शोध का भी जिक्र किया जाना जरूरी है, जिसके अनुसार बिहार में करीब 77 लाख फर्जी वोटर हैं। ये वोटर अल्पसंख्यक वर्ग वाले सिर्फ विदेशी घुसपैठिये ही नहीं है, बल्कि इसमें मृत और अपनी रिहायश छोड़ चुके मतदाता भी हैं।

डेमोग्रॉफिक रिकंस्ट्रक्शन एंड इलेक्टोरल रोल इन्फ्लेशन, एस्टीमेटिंग दी लेजिटिमेट वोटर बेस इन बिहार, इंडिया नाम शोध अध्ययन के मुताबिक बिहार की मतदाता सूची में ही ऐसी गड़बड़ियां नहीं है। शोधकर्ताओं का कहना है कि ऐसी गड़बड़ियां बिहार ही नहीं, बल्कि पूरे देश की मतदाता सूची में हो सकती है। इस शोध अध्ययन को मुंबई के एसपी जैन इंस्टीट्यूट एंड मैनेजमेंट के असिस्टेंट प्रोफेसर विधु शेखर और और आईआईएम, विशाखापत्तनम के असिस्टेंट प्रोफेसर मिलन कुमार ने मिल कर किया है। एसएसआरएन में प्रकाशित यह अध्ययन किसी अनुमान पर नहीं, बल्कि सरकारी आंकड़ों, मसलन राज्य की जन्म और मृत्यु दर के साथ ही राज्य से हुए पलायन और आयु प्रत्याशा के सरकारी आंकड़ों के गहन अध्ययन और विश्लेषण पर आधारित है।

विधु शेखर और मिलन कुमार के अध्ययन के मुताबिक, बिहार में इस समय करीब सात करोड़ 89 लाख वोटरों का नाम मतदाता सूची में दर्ज है। इस अध्ययन के मुताबिक, इनमें से करीब 77 हजार नाम फर्जी हैं। यानी ये मतदाता या तो मर चुके हैं या बरसों पहले से अपनी बताई या दर्ज जगह से पलायन करके कहीं और जा बसे हैं। फर्जी या गलत मतदाताओं का यह आंकड़ा करीब 9.7 प्रतिशत होता है। इसका मतलब यह हुआ कि करीब दस प्रतिशत मतदाता ज्यादा हैं या असल में हैं ही नहीं। विधु शेखर और मिलन कुमार अपने शोध के बाद इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि राज्य की हर विधानसभा सीट पर करीब तीस हजार मतदाताओं का नाम गलत तरीके से दर्ज है।

बिहार में विधानसभा की 243 सीटें हैं। विधानसभाओं में कुछ सौ मतदाताओं का अंतर ही जीत-हार पर असर डाल देता है। साल 2020 के विधानसभा चुनावों में करीब बीस प्रतिशत सीटों पर जीत और हार का अंतर महज ढाई फीसद तक ही था। इनमें से 17 सीटों पर जीत तो एक प्रतिशत के कम वोट से ही हुई थी। विधु शेखर और मिलन कुमार को आशंका है कि अगर गहन पुनरीक्षण में इन मतदातओं के नाम नहीं काटे गए तो उनके नाम पर चुनावी नतीजों को बदला जा सकता है।

इस अध्ययन के अनुसार, बिहार के गांवों में जहां मृत्यु के आंकड़े अपडेट ना होने की वजह से फर्जी नाम ज्यादा हैं, वहीं शहरी इलाकों में पलायन के बावजूद नाम काटे नहीं गए हैं। राज्य में पिछली बार मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण 2003 में हुआ था। उस समय राज्य में करीब तीन करोड़ 41 लाख मतदाता थे। राज्य की मौजूदा जन्म और मृत्यु दर के हिसाब से इसके बाद 4.83 जुड़ने चाहिए थे। इसके साथ ही सरकारी आंकड़ों के अनुसार इन वर्षों में राज्य से करीब एक करोड़ 12 लाख वोटरों ने पलायन किया है। उन्होंने अपना स्थायी ठिकाना राज्य से बाहर बना लिया है। इसे दिल्ली, मुंबई, पंजाब जैसे शहरों और राज्यों में देखा भी जा रहा है, जहां भारी संख्या में बिहारी मूल के मतदाता हैं। इस शोध अध्ययन के मुताबिक, पुराने वोटरों, जन्म-मृत्यु दर की गणना और पलायन के बाद के आंकड़ों को मिलाकर राज्य में असल मतदाताओं की संख्या सात करोड़ 12 लाख के ही आसपास ही बैठती है। इस लिहाज से कह सकते हैं कि राज्य में जो सतहत्तर लाख ज्यादा वोटरों के नाम हैं, वे इन वैज्ञानिक तथ्यों के आधार पर गड़बड़ हैं।

विधु शेखर और मिलन कुमार के अध्ययन को आगे बढ़ाते हुए राज्य में आधार कार्ड की उपलब्धता को भी जोड़ा जा सकता है। यह भी राज्य में फर्जी वोटरों की ओर इशारा करता है। वैसे मतदाता सूची में शामिल होने के लिए आधार कार्ड और राशन कार्ड को वैध प्रमाण पत्र माना जाता है। लेकिन इस तथ्य से भी इनकार नहीं किया जा सकता है कि भारी संख्या में फर्जी राशन कार्ड हो सकते हैं या आधार कार्ड भी बन सकते हैं। राज्य के सीमांचल के जिले मसलन अररिया, पूर्णिया, कटिहार और किशनगंज जिलों में मुस्लिम आबादी करीब 39 से लेकर 68 प्रतिशत तक है,लेकिन इनकी सीमाएं पश्चिम बंगाल और नेपाल से जुड़ी हैं। पश्चिम बंगाल के सीमांचल के नजदीकी जिले बांग्लादेश से सटे हैं। इसकी वजह से इस इलाके में घुसपैठ का भी आरोप लगता रहा है। बिहार सरकार द्वारा जाति-आधारित सर्वेक्षण के दौरान एकत्र किए गए आधिकारिक आंकड़ों पर नजर डालें तो इस आरोप में दम नजर आता है। इस आंकड़े के मुताबिक, राज्य का औसत आधार कवरेज लगभग 94 प्रतिशत है, जबकि 68 प्रतिशत मुस्लिम आबादी वाले किशनगंज में कुल जनसंख्या से करीब 105.16 प्रतिशत आधार है। इसी तरह, कटिहार में 45 प्रतिशत और अररिया में 50 प्रतिशत मुस्लिम आबादी है, लेकिन यहां आधार कुल जनसंख्या का करीब 101.92 और 102.23 प्रतिशत ज्यादा है। सीमांचल के ही जिले पूर्णिया में 39 प्रतिशत मुस्लिम आबादी है, लेकिन यहां आधार कुल जनसंख्या का 101 प्रतिशत है। आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि सीमांचल हर 100 निवासी पर 120 से अधिक आधार कार्ड हैं। यही वजह है कि चुनाव आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान में इन जिलों में मतदाता सूची में नाम के सत्यापन के लिए आधार कार्ड को अनिवार्य नहीं माना है। संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत मिले अधिकारों के तहत चुनाव आयोग राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, संसद और विधान मंडलों का चुनाव कराता है। इसके लिए उसे जन प्रतिनिधित्व कानून 1951 के तहत मतदाता सूची बनाने और उसे अद्यतन करने का अधिकार मिला है। स्वच्छ लोकतंत्र के लिए जरूरी स्वच्छ और स्पष्ट मतदाता सूची है। चुनाव आयोग का यह वैधानिक दायित्व है कि फर्जी वोटरों को मतदाता सूची से बाहर करे। लेकिन आज की राजनीति अपने वोटरों को साधने तक ही सीमित नहीं रही, बल्कि अपने प्रतिबद्ध वोटरों की रक्षा करने की हो गई है। बिहार में माना जाता है कि एम वाई समीकरण यानी मुस्लिम और यादव वोटर राष्ट्रीय जनता दल का समर्थक है। विपक्षी दलों को आशंका है कि बीजेपी के इशारे पर उसके इन्हीं वोटरों को काटा जा सकता है। चुनाव आयोग के प्रमुख के रूप टीएन शेषन और केजे राव जैसे अधिकारियों के आने के पहले तक राज्य में बूथ लूट की घटनाएं खुलेआम होती थीं। अब तो खैर वैसा नहीं होता, लेकिन फर्जी वोटरों के नाम पर कुछ भी हो सकता है। दबंग उम्मीदवार चाहे तो अपने पक्ष में फर्जी या मृत वोटरों के नाम पर मतदान कराकर अपने पक्ष में नतीजे मोड़ सकते हैं।

अजब-गजब

लड़की ने 'जीरो फिगर' पाने के चक्कर में की ऐसी खतरनाक डाइटिंग, मरते-मरते बची!

कहानी चीन की एक टीनेजर की है, जिसने अपनी बर्थडे ड्रेस में फिट होने के लिए ऐसी खतरनाक डाइट अपनाई कि सीधे अस्पताल पहुंच गई। जांच में सामने आया कि उसके शरीर में पोटेशियम की मात्रा इतनी कम हो चुकी थी कि कई ऑर्गन्स ने काम करना बंद कर दिया था।

'परफेक्ट फिगर' पाने का भूत आजकल के युवाओं के सिर पर किस कदर हावी हो रहा है, इसका जीता-जागता और खौफनाक उदाहरण चीन से सामने आया है। जहां हुनान प्रांत की एक 16 वर्षीय लड़की मेई ने 'जीरो फिगर' के चक्कर में ऐसी खतरनाक डाइटिंग की, जो उनकी जान पर बन आई। मेई मरते-मरते बची हैं। उनकी हालत इस कदर बिगड़ गई कि उन्हें आईसीयू में एडमिट करना पड़ गया।

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के मुताबिक, मेई ने अपने बर्थडे पर 'साइज जीरो' के सपने को पूरा करने के लिए पूरे दो हफ्तों तक सिर्फ और सिर्फ उबली हुई सब्जियां खाईं। पहले तो उन्हें लगा कि वह एकदम सही ट्रैक पर हैं, पर कुछ ही दिनों में उनका शरीर जवाब दे गया। मेई को एक दिन अचानक सांस लेने में भयंकर तकलीफ हुई, और वह सीधे बेहोश हो गईं।

मेई को बेहोशी की हालत में पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उनकी जान बचाने के लिए 12 घंटे तक लगातार जंग लड़ी। जांच में सामने आया कि मेई के शरीर में पोटेशियम की मात्रा इतनी कम हो चुकी थी कि उनके ऑर्गन्स ने काम करना बंद कर दिया था। बता दें कि पोटेशियम की कमी इतनी खतरनाक हो सकती है कि इससे हार्ट अटैक तक आ सकता है और इंसान की जान जा सकती है। ये भी देखें:Viral: बीवी लड़ने का बहाना कब ढूंढती है? अंकल का जवाब सुन रोक नहीं पाएंगे हंसी! देखें वीडियो

शुक्र है डॉक्टरों ने मेई की जान बचा ली, और अब वह बिल्कुल ठीक होकर घर लौट चुकी हैं। इस डरावने अनुभव के बाद उन्होंने कहा कि वह अब एक्सपर्ट की सलाह के बगैर डाइटिंग नहीं करेंगी, और अपनी सेहत को ही पहली प्राथमिकता देंगी।

ब्लॉग

भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौता: एक क्रांतिकारी कदम

ललित गर्ग

भारत और ब्रिटेन के बीच ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की अंतिम स्वीकृति ने न केवल वैश्विक व्यापार जगत में हलचल मचा दी है, बल्कि भारत के आर्थिक भविष्य को भी एक नई दिशा दी है। दोनों देशों के बीच आखिरकार फ्री ट्रेड एग्रीमेंट होने का फायदा दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं को मिलेगा। पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से संरक्षणवाद बढ़ा है, उसमें ऐसे व्यापार समझौतों की भूमिका और भी अहम हो जाती है। इस समझौते से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने न केवल अमेरिका बल्कि अन्य देशों को भी भारत की मजबूत होती स्थिति का आइना दिखाया है, जो उनकी दूरगामी एवं कूटनीतिज्ञ राजनीति का द्योतक है। इस समझौते को मौजूदा दौर में दुनियाभर में जारी बहुस्तरीय तनाव, दबाव एवं दादागिरी की राजनीति के बीच एक बेहतर एवं सूझबूझभरी कूटनीतिक कामयाबी के तौर पर देखा जा सकता है। यह छिपा नहीं है कि अमेरिका के राष्ट्रपति ने शुल्क के मोर्चे पर एक बड़ा द्वंद्व एवं संकट खड़ा कर दिया था। लेकिन भारत ने इस द्वंद्व के बीच झूकने की बजाय नये रास्ते खोजे हैं। निश्चित ही यह व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए) महज एक कागज़ी करार नहीं, बल्कि 'विकसित भारत 2047' के स्वप्न को मूर्त रूप देने की ठोस रणनीति है। जहां एक ओर यह समझौता 99 प्रतिशत टैरिफ को समाप्त कर वस्त्र, चमड़ा, समुद्री उत्पाद, कृषि व रत्न-आभूषण जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों को नई उड़ान देगा, वहीं दूसरी ओर छोटे उद्यमों, मछुआरों और किसानों को वैश्विक मंच पर पहचान दिलाएगा। भारत के ग्रामीण अंचलों से हल्दी, दाल, अचार जैसे उत्पाद अब ब्रिटिश बाजारों में अपनी महक फैलाएंगे।

मोदी सरकार ने पिछले एक दशक में जिस प्रकार से गुणवत्ता, प्रतिस्पर्धा और पारदर्शिता पर जोर दिया, उसी का परिणाम है यह करार। इससे यह भी सिद्ध हुआ कि अब भारत केवल बाजार नहीं, बल्कि एक निर्णायक शक्ति बन चुका है, जो अपने हितों की रक्षा करते हुए विश्व से संवाद करता है। यह समझौता सिर्फ व्यापार तक सीमित नहीं है, यह सेवा क्षेत्र, शिक्षा, वित्तीय सेवाएं, निवेश, सामाजिक सुरक्षा, और दोहरे कराधान जैसे क्षेत्रों में भी भारतीयों के लिए नए दरवाज़े खोलता है। खासकर ब्रिटेन में काम कर रहे भारतीय पेशेवरों के लिए यह राहत का संदेश है, जिन्हें सामाजिक सुरक्षा अंशदान से छूट मिल सकेगी। यह समझौता इसलिये भी महत्वपूर्ण है कि अब तक अमेरिका की ओर से पैदा किये गये किसी दबाव के आगे भारत ने झुकना स्वीकार नहीं किया और उसने भारत-ब्रिटेन जैसे नये विकल्पों को खड़ा करने और पुराने को मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ाये हैं।

ब्रिटेन के साथ यह एफटीए एक उदाहरण है कि कैसे भारत न्यायसंगत और समावेशी व्यापार समझौते कर सकता है, जिसमें न तो अपने किसानों, न ही डेयरी क्षेत्र या छोटे उत्पादकों को नुकसान होता है। भारत ने संवेदनशील क्षेत्रों को समझौते से बाहर रखकर आत्मनिर्भरता और खाद्य सुरक्षा की अपनी नीति को बरकरार रखा है। वर्तमान में भारत का वैश्विक व्यापार लगभग 21 अरब डॉलर है, जो इस समझौते के बाद 2030 तक 120 अरब डॉलर तक पहुँचने की संभावना रखता है। यह न केवल विदेशी निवेश को आकर्षित करेगा, बल्कि भारत की मैन्युफैक्चरिंग हिस्सेदारी को 17 प्रतिशत से 25 प्रतिशत तक बढ़ाने में सहायक होगा। इस करार के साथ, मोदी सरकार ने साबित कर दिया है कि जब नियोजित दृष्टिकोण, वैश्विक प्रतिष्ठा और साहसिक निर्णय साथ चलते हैं, तो भारत जैसे विकासशील देश भी वैश्विक मंच पर निर्णायक बन सकते हैं।

भारत और ब्रिटेन के बीच सीईटीए के अस्तित्व में आने से एक नये आर्थिक सूर्य का उदय हुआ है, जिससे रोजगार सहित अनेक उन्नत राष्ट्र-निर्माण के अवसर सृजित होंगे। सीईटीए की संकल्पना आस्ट्रेलिया, संयुक्त अरब अमीरात और कुछ अन्य देशों के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौतों के अनुरूप ही है। यह मोदी सरकार की भारत को 2047 तक विकसित बनाने की संकल्पना से जुड़ी रणनीति का एक हिस्सा है। मोदी सरकार ने भारत को तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनाने के अपने संकल्प में नये पंखों को जोड़ते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था में वैश्विक विश्वास को फिर से स्थापित करने तथा इसे भारतीय और विदेशी निवेशकों के लिए आकर्षक बनाने के लिए एक दृढ़ रणनीति अपनाई है। विकसित देशों के साथ एफटीए इस रणनीति के केंद्र में है। ऐसे समझौते व्यापार नीतियों से जुड़ी अनिश्चितताओं को दूर करके निवेशकों का विश्वास बढ़ाते हैं। पिछली यूपीए सरकार ने भारत के व्यापारिक दरवाजे प्रतिद्वंद्वी देशों के लिए खोलकर भारतीय व्यवसायों को खतरे में डालने वाला रवैया अपनाया था, लेकिन अतीत की उन बड़ी भूलों को सुधारा जा रहा है, जो नये भारत-विकसित भारत का आधार है।

मोदी के मेड इन इंडिया संकल्प की दृष्टि से यह डील बेहद अहम है। इससे करीब 99 प्रतिशत निर्यात यानी यहां से ब्रिटेन जाने वाली चीजों पर टैरिफ से राहत मिलेगी। इसी तरह ब्रिटेन से आनी वाली चीजें भारत में सस्ती मिल सकेंगी। जिससे आम लोगों को अधिक गुणवत्ता वाला सामान सस्ते में सुलभ होगा और जीवनस्तर में व्यापक सुधार होगा। डील से एक बड़ा फायदा होगा टेक्सटाइल्स, लेदर और इलेक्ट्रॉनिक्स को। इनसे मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा मिलेगा। अभी ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग में भारत की हिस्सेदारी केवल 2.8 प्रतिशत है, जबकि चीन की 28.8 प्रतिशत। इसी तरह, देश की जीडीपी में मैन्युफैक्चरिंग का योगदान 17 प्रतिशत है और सरकार इसे 25 प्रतिशत तक बढ़ाना चाहती है। इस तरह की डील से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय, दोनों स्तर पर प्रदर्शन में सुधार होगा। कृषि सेक्टर को भी उन्नत बनाने एवं अधिक उत्पाद की दृष्टि से व्यापक फायदा होगा। इसके लिए इस समय भारत की बातचीत अमेरिका से भी चल रही है। लेकिन वहां कृषि और डेयरी प्रॉडक्ट्स को लेकर रस्साकशी है। अमेरिका इन दोनों क्षेत्रों में खुली छूट चाहता है, जबकि अपने लोगों के हितों को देखते हुए भारत ऐसा नहीं कर सकता। ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार होने से भारत के कृषि उद्योग को बढ़ावा मिलेगा।

क्रांतिकारी सुधारों, नवाचार, तकनीक, कारोबारी सुगमता और प्रधानमंत्री के वैश्विक व्यक्तित्व ने भारत को एक आर्थिक सूरज के रूप में उभारने में मदद की है, जहां विपुल संभावनाएं हैं। आज दुनिया भारत की ओर आशाभरी नजरों से देख रही है और भारत की अद्भुत विकासगाथा का हिस्सा बनना चाहती है। प्रमुख देशों द्वारा एक के बाद एक एफटीए इसी मान्यता की पुष्टि करते हैं। ब्रिटेन के साथ यह व्यापार समझौता बाजार पहुंच और प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त दिलाएगा। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत के एफटीए वस्तुओं और सेवाओं से कहीं आगे तक सांस्कृतिक आदान-प्रदान एवं नागरिक हितों तक जाते हैं। आस्ट्रेलियाई एफटीए के साथ भारत ने दोहरे कराधान का मुद्दा सुलझाया, जो आईटी कंपनियों की परेशानी बढ़ा रहा था। ब्रिटेन के साथ समझौते का एक अहम बिंदु दोहरे अंशदान से जुड़ा है। यह ब्रिटेन में नियोक्ताओं, अस्थायी भारतीय कर्मियों को तीन वर्षों के लिए सामाजिक सुरक्षा अंशदान से छूट देता है। इससे भारतीय सेवा प्रदाताओं की प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। ब्रिटेन में रहने वाले भारतीयों को अब अनेक सुविधाएं मिलेगी।

साल 2014 के बाद से भारत ने मॉरिशस, यूएई, ऑस्ट्रेलिया और ईएफटीए के साथ फ्री व्यापारिक समझौते किये हैं। ईएफटीए का अर्थ है यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ। यह एक क्षेत्रीय व्यापार संगठन और मुक्त व्यापार क्षेत्र है जिसमें चार यूरोपीय देश शामिल हैं- आइसलैंड, लिकटेंस्टीन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड। यूरोप से बातचीत जारी है, जिसे जल्द से जल्द अंजाम तक पहुंचाया जाना चाहिए। अर्थ-व्यवस्था के मोर्चे पर आने वाली चुनौतियों से निपटने में ऐसे समझौते सहायक होंगे। इस बीच, अगर भारत की अमेरिका के साथ अच्छी व्यापार डील होती है तो उससे भी विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने की ओर कदम बढ़ेंगे। लेकिन ब्रिटेन से समझौता केवल व्यापार नहीं, भविष्य का निर्माण है। यह कृषि को समृद्धि, उद्योग को विस्तार, युवाओं को अवसर, और भारत को एक विकसित राष्ट्र बनने की ओर सशक्त करता है। निश्चित ही जहां बाजार बनते हैं अवसरों के, वहीं नीति बनती है भविष्य की नींव। भारत और ब्रिटेन के इस करार से विश्व सुनेगा अब भारत की गूंज!

यूपी में भाजपा नेता कत्ल: कौन था वो...कच्चे रास्तों से आया, हत्या की और निकल गया, स्टार्ट थी कार, चल रहा था एसी

आर्यावर्त संवाददाता

अलीगढ़। अलीगढ़ में कोंडरा के भाजपाई प्राप्टी डीलर सोनू चौधरी की हत्या किसी ऐसे चिर-परिचित ने की है, जिसे वह भलीभांति जानता था। हत्या करने आया व्यक्ति उसके गांव से निकलने का वक्त और इलाके के कच्चे रास्तों से भी परिचित है, जिन पर सीसीटीवी नहीं।

इस बात की गवाही सोनू के रिश्ते के भतीजे व सभी मार्गों के सीसीटीवी दे रहे हैं। ऐसे में पुलिस की तीन टीमें सरगर्मी से उस व्यक्ति की तलाश में जुटी हैं। एसपी देहात अमृत जैन घटना के विषय में बताते हैं कि प्रार्पटी डीलर सोनू के गांव से निकलते ही बमुश्किल 200 मीटर दूरी पर उनकी गाड़ी को तालानगरी में मुड़ते समय बाइक सवारों ने रोक लिया।

दूसरा हमलावर ड्राइवर साइड खिड़की के सहारे खड़ा रहा

गांव से 200 मीटर निकलते ही तालानगरी एरिया में गांव के मोड़ पर बाइक सवार दो युवक उसे मिले, उसे देख सोनू ने गाड़ी रोक ली। इसके बाद एक बाइक सवार गाड़ी में जाकर बगल वाली सीट पर बैठ गया, जबकि दूसरा ड्राइवर साइड खिड़की के सहारे खड़ा रहा। उनमें कुछ देर बातचीत भी हुई। इसी बीच दोनों हमलावरों ने सोनू पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। घटनास्थल पर एक दर्जन राउंड फायरिंग के सबूत मिले हैं। सोनू को कुल सात गोलियां लगीं। इसके बाद हमलावर भाग गए।

न्यूटल मोड में खड़ी थी स्टार्ट गाड़ी

बाइक सड़क के एक साइड में जिस अंदाज में रोकी गई। उससे यह नहीं लगता कि आते ही हमला किया गया हो। किसी परिचित ने गाड़ी रुकवाई। दूसरी खास बात गाड़ी के सभी शीशे चढ़े मिले। स्टार्ट गाड़ी न्यूटल मोड में खड़ी थी। एसी चल रहा था।

इसका मतलब कि जिस परिचित ने गाड़ी रुकवाई। उसे अंदर बिठाकर सोनू आराम से बतिया रहा था। उसके साथ आया दूसरा व्यक्ति बाहर खड़ा था। इसी बीच सोनू का पारिवारिक भतीजा सुमित इस रास्ते से बाइक पर शहर से गांव वापस गया है।

इलाके से भी परिचित हैं हमलावर

मगर वह बाइक या उस तरह के हुलिया वाले हमलावर कहीं भी नहीं चिह्नित हुए। इससे यह भी साफ हो रहा है कि हमलावर किसी ऐसे कच्चे रास्ते से आए। जिस पर सीसीटीवी नहीं थे। उसी रास्ते से वापस गए। मतलब ये भी साफ है कि वे इलाके से भी परिचित हैं।

किसी प्रॉपर्टी विवाद की ओर हत्या का इशारा

अब परिवार जो भी लिखकर दे या पुलिस की जांच में जो भी साक्ष्य उजागर हों। मगर अब तक की जांच में यह हत्या किसी प्रापर्टी से जुड़े या किसी नए विवाद में ज्यादा समझ में आ रही है। इस विषय में एसपी देहात बताते हैं कि सोनू के बड़े भाई राजेश की हत्या से जुड़ी रंजिश में जो लोग जेल गए थे। उन्हें सजा हो गई। अब वे जमानत पर हैं। मगर घटना के समय वे घरों में थे।

पुलिस पूछताछ में भी उनसे अभी तक कुछ नहीं निकला। परिवार भी उनको लेकर बहुत कुछ नहीं कह रहा। प्रधानी चुनाव में किसी के मन में सोनू के प्रति खुन्नस सरीखी कोई बात अभी तक उजागर नहीं हुई। न कोई विवाद सामने आया। अब या तो प्रापर्टी विवाद हो सकता है। या फिर ताजा सोनू व उसके बेटे से महिला से जुड़ा विवाद हो सकता है।

ये है महिला से जुड़ा विवाद

महिला से जुड़े विवाद के विषय में एसपी देहात ने बताया कि क्वार्सी इलाके में महिला ने कुछ माह पहले सोनू के बेटे पर अपनी बेटी संग गलत हरकत का मुकदमा दर्ज कराया था। जिसमें महिला संग मारपीट का भी आरोप था। इसके बाद सोनू ने हरदुआगंज में महिला के खिलाफ ब्लैकमेलिंग का मुकदमा दर्ज कराया था।

इन रंजिशों पर हत्या के कारणों की खोज

गांव के खानदानी लोगों से चली आ रही रंजिश

वर्तमान में सोनू द्वारा गांव में प्रधानी की तैयारी

सोनू के प्रार्पटी व्यापार में कई तरह के विवाद

एक महिला से सोनू व उसके बेटे का विवाद

भाजयुमो के पूर्व मंडल उपाध्यक्ष की गोलियों से भूनकर हत्या

अलीगढ़ के तालानगरी इलाके में शुक्रवार सुबह सांसद के करीबी, भाजयुमो के पूर्व मंडल उपाध्यक्ष एवं प्रॉपर्टी डीलर सोनू चौधरी (45) की गोलियों से भूनकर हत्या कर दी गई। ताबड़तोड़ फायरिंग से दहशत फैल गई। बाइक सवार दो हमलावरों ने गांव से निकलते ही कार सवार प्रॉपर्टी डीलर को रोककर दिनदहाड़े इस दुस्साहसिक वारदात को अंजाम दिया। प्रॉपर्टी डीलर को सात गोलियां मारी गई। वारदात की खबर पर एसएसपी सहित पुलिस टीमें घटनास्थल पर पहुंच गई। हालांकि शाम तक परिवार की तरफ से कोई तहरीर नहीं दी गई थी, मगर पुलिस की

पक्के रास्तों के सीसीटीवी देखे गए, हमलावरों को पता नहीं

उसने भी चाचा सोनू को कार में बिठाकर किसी से बात करते देखा है। उसे उस समय कुछ भी असहज नहीं लगा। इसलिए वह घर चला गया। इसके बाद तीसरी सबसे खास बात ये कि शाम तक घटनास्थल को आने जाने वाले सभी पक्के रास्तों के सीसीटीवी देखे गए।

तीन टीमें पुरानी रंजिश, व्यापारिक व राजनीतिक पहलुओं पर जांच कर रही हैं।

सांसद का करीबी माना जाता था सोनू

सोनू चौधरी हरदुआगंज मंडल में भाजयुमो का मंडल उपाध्यक्ष रह चुका था। हरदुआगंज क्षेत्र में तालानगरी से सटे गांव कोंडरा के शैलेंद्र सिंह उर्फ सोनू चौधरी पेशे से प्रॉपर्टी डीलर था। साथ में उसका अपना ट्रांसपोर्ट का भी व्यापार था। भाजपा से जुड़ा सोनू सांसद सतीश गौतम का काफी करीबी माना जाता था। सीओ सदर धनंजय के अनुसार, परिवार वालों से अब तक जो जानकारी मिली है है उसके मुताबिक सुबह करीब 9:30 बजे सोनू अपनी क्रेटा कार में सवार होकर गांव से निकला।

कड़ी सुरक्षा के बीच किया अंतिम संस्कार

खबर पर गांव से लोग दौड़े, जबकि हरदुआगंज पुलिस के साथ-साथ एसएसपी, एसपी देहात, सीओ, फॉरेंसिक टीम भी आ गई। इससे पहले सोनू को जेएन मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। वहां मृत घोषित कर दिया गया। देर शाम पोस्टमार्टम के बाद शव गांव पहुंच गया था, जहां कड़ी सुरक्षा के बीच अंतिम संस्कार किया गया।

सागर के पिता के सामने इसलिए गिड़गिडाई थी सानिया की मां, धमकी के डर से परिवार ने युवक को भेज दिया था हिमाचल

आर्यावर्त संवाददाता

बागपत। बागपत जिले के पलड़ा गांव से प्रेमी के साथ गई सानिया (18) की हत्या का मामला सामने आया है। परिजन उसे हिमाचल से बरामद कर घर ले आए थे। इस दौरान उसके प्रेमी कीे पिटाई करने के बाद उसे छोड़ दिया था, जबकि युवती की हत्या कर शव को कब्रिस्तान में दबा दिया। हत्याकांड को अंजाम देने के बाद आरोपी अपने घर से फरार हैं।

दरअसस, दोघट कस्बे के पलड़ा गांव निवासी सागर का गांव की ही सानिया (18) के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। 15 जुलाई को सागर अपने साथ सानिया को लेकर चला गया था। 16 जुलाई को सानिया के परिजनों ने दोनों को हिमाचल प्रदेश में पकड़ लिया। सागर के पिता रामपाल का कहना है कि दोनों को गांव पलड़ा लाया गया और नलकूप पर लाकर पीटा गया। सागर को जान से मारने की धमकी देकर छोड़ दिया गया। वहीं, परिजनों ने सानिया को बहुत समझाया, मगर वह नहीं मानी। 23 जुलाई को गला दबाकर उसकी हत्या कर दी और शव कब्रिस्तान में दफना दिया। दरअसल, बागपत के पलड़ा गांव के रहने वाले रामपाल ने बताया कि वह अपने परिवार के साथ हिमाचल प्रदेश के ऊना जिले में ईंट भट्ठे पर मजदूरी करता है। वह छह फरवरी को गांव में वापस आकर रहने लगा था। होली पर्व के आसपास गांव के ही एक वलीस की बेटी सानिया के साथ उसके बेटे सागर की दोस्ती हो गई। कुछ दिन पहले गांव के ही वलीस का बेटा उनके घर आया और उसके बेटे पर अपने घर के बाहर खड़े होने का आरोप लगाकर जान से मारने की धमकी देकर गया। उनसे डरकर उसने अपने बेटे सागर को गांव से दोबारा हिमाचल प्रदेश में ईंट भट्ठे पर मजदूरी करने भेज दिया।

रामपाल और उसकी बेटी को गाड़ी में डालकर ले गए आरोपी

रामपाल ने बताया कि 15 जुलाई को सानिया भी अपने घर से लापता हो गई। तभी रात में करीब तीन बजे वलीस का बेटा साहिब अपने चचेरे भाई और रिश्तेदार के साथ उनके घर आया। वह सागर के बारे में पूछताछ करने लगे। सागर का फोन बंद मिलने पर साहिब ने परिवार को जान से मारने की धमकी दी और उसे व उसकी नाबालिग बेटी को जबरदस्ती गाड़ी में बैठाकर हिमाचल लेकर चला गया। 16 जुलाई को हिमाचल प्रदेश में ईंट भट्ठे पर मिले सागर के साथ साहिब और अन्य ने मारपीट की, वहां से सागर उन्हें कुछ दूर ही सानिया के पास ले गया।

गांव में फैली टीबी से मौत की बात

गांव में 23 जुलाई को सानिया की मौत की खबर फैली तो पहले टीबी से मौत होने की बात कही गई। मगर इस बारे में एसपी को फोन करके शिकायत की गई। पुलिस ने मामले में सानिया के परिजन मतलूब को पकड़कर पूछताछ की तो पूरी घटना के बारे में बता दिया। परिवार के अन्य सदस्य घर से फरार हैं। शव का पोस्टमार्टम कराने के लिए डीएम ने शुक्रवार शाम को अनुमति दी।

सागर के पिता के सामने गिड़गिडाई थी सानिया की मां

रामपाल ने बताया कि होली पर्व के एक माह बाद ही सागर और सानिया को एक साथ देखा गया था। इसके बारे में वह सानिया के परिवार वालों को बताने के लिए गए तो वहां पर सानिया की मां मिली। सानिया की मां उनके सामने हाथ जोड़कर गिड़गिड़ाने लगी और कहने लगी कि परिवार वालों को पता चला तो सानिया की हत्या कर देंगे। उसकी बात मानकर उन्होंने मामला दबा दिया और किसी के सामने जिक्र भी नहीं किया।

रामपाल के अनुसार, हिमाचल प्रदेश से पलड़ा गांव तक गाड़ी में सागर और सानिया की पिटाई की गई। गांव में सानिया के परिवार वाले दोनों को अपने नलकूप पर ले गए और वहां भी बंधक बनाकर पिटाई की। साहिब ने सागर की वीडियो बनाकर सोनिया को ले जाने में दूसरे युवकों के शामिल होने के बारे में भी कहलवाया। पिटाई करने के बाद दोबारा गांव में दिखाई देने पर जान से मारने की धमकी देकर सागर, उसके पिता रामपाल, बहन अंशु को रास्ते में छोड़ दिया और सानिया को लेकर घर ले गए। 23 जुलाई की सुबह परिवार वालों ने सानिया की हत्या कर कब्रिस्तान में गड्ढा खोदाई कर शव दबा दिया। रामपाल ने बताया कि साहिब और उसके परिवार वालों ने 15 जुलाई को सानिया की गोली मारकर हत्या का एलान कर दिया था।

दहशत में सागर का परिवार

रामपाल ने बताया कि वह अनुसूचित जाति से है और गांव में उनकी जाति के करीब बीस घर है जबकि पूरा गांव मूले जाट जाति के लोगों का है। नलकूप पर बंधक बनाकर पिटाई के बाद उसे अपने बेटे की हत्या होने का डर सताने लगा था, इसी वजह से 17 जुलाई की सुबह सागर को पुसार बस स्टैंड पर छोड़कर आ गया। सानिया के परिवार वालों की धमकी मिलने के बाद से उसका परिवार भयभीत है और गांव के लोग भी मदद करने को आगे नहीं आए।

सिरफिरे आशिक नें मंदिर में खेला खूनी खेल, प्रेमिका को मारीं पांच गोलियां...पुलिस ने मुठभेड़ में दबोचा

आर्यावर्त संवाददाता

मैनपुरी। मैनपुरी शहर के मोहल्ला बजरिया स्थित शिव मंदिर में शुक्रवार सुबह एक दिल दहला देने वाली वारदात हुई। यहां मंदिर में पूजा करने के लिए आई युवती को एक के बाद एक पांच गोलियां मारी गईं। इसके बाद आरोपी मंदिर का दरवाजा खोलकर भाग निकला। इस वारदात के बाद मंदिर में आए श्रद्धालुओं में भगदड़ मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने तत्काल ही घायल युवती को उपचार के लिए अस्पताल भेजा। वहीं वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी को तीन घंटे के अंदर ही मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के पैर में भी गोली लगी है। मोहल्ला बजरिया की रहने वाली 21 वर्षीय दिव्यांशी राठौर शनिवार सुबह मंदिर में पूजा करने के लिए आई थी। उसी समय मंदिर में राहुल दिवाकर नाम का युवक आ

धमका। राहुल ने मंदिर के अंदर पूजा करते समय दिव्यांशी पर हमला कर दिया। तमंचे से एक के बाद उसे पांच गोलियां मारी। गोलियों की आवाज सुनकर मंदिर आए श्रद्धालुओं में भगदड़ मच गई। इस दौरान आरोपी मौके से भाग निकला।

लोगों की सूचना पर थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने तत्काल ही घायल युवती को उपचार के लिए अस्पताल भेजा। यहां उसकी हालत नाजुक देख सैफई मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। इसके बाद पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास में जुट गई। पुलिस ने तीन घंटे के अंदर ही आरोपी राहुल को नगला जुला बंबा वाली रोड पर घेर लिया। पुलिस को देखते ही आरोपी ने फायर करना शुरू कर दिए। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में गोली लगने से राहुल घायल हो गया। उसे उपचार के लिए पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया है। घायल अवस्था में भी आरोपी राहुल हंसता हुआ नजर आया। उसने जो किया, उस पर कोई पछतावा नहीं था। बताया गया है कि आरोपी राहुल दिवाकर पिछले पांच साल से दिव्यांशी के पीछे पड़ा हुआ था। उसकी हरकतों से परेशान होकर परिजनों ने दिव्यांशी को दिल्ली भेज दिया था। वो हाल में ही दिल्ली से लौटकर घर वापस आई थी, जिसके बाद वो उससे मिलने की जिद करने लगा। दिव्यांशी ने उससे मिलने से मना कर दिया, जिसके चलते गुस्से में आकर उसने इस वारदात को अंजाम दिया।

अरन्द गांव में खाक छान रही वन विभाग की टीम

जौनपुर। जिले के शाहगंज क्षेत्र के अरन्द गांव में मिले कई आदमखोर लकड़बग्घे की खोज में पिछले दो दिनों से वन विभाग के अधिकारी भ्क्ष्टकते हुए धान के खेतों में पानी के बीच खाक छान रहे हैं। लेकिन कुठ भी स्पष्ट करने में वे असफल रहे। वन विभाग द्वारा आदमखोर जंगलीजीव की खबर वायरल होते ही संज्ञान में लिया। प्रदेश विभाग ने जौनपुर, आजमगढ़ दोनों जनपद के वन विभाग के मंडल स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों को तलब कर मौके पर भेजा। शनिवार को आजमगढ़ के प्रभारी प्रभागीय वनाधिकारी गंगादत्त मिश्र के साथ सब डिविजनल आफिसर आजमगढ़, रेंजर फूलपुर सत्येंद्र मौर्य, जौनपुर की डीएफओ प्रोमिला, एसडीओ जौनपुर सरफराज, शाहगंज के वन रेंजर राकेश कुमार दो एक्सपर्ट टीम के साथ सभी लकड़बग्घों व उनके बच्चों को पकड़ने के लिए जाल व अन्य हथियार लेकर देर शाम तक अरन्द और पड़ोसी जनपद आजमगढ़ के ग्राम सभा अरनौला गांव में नहर और जंगली हिस्से में घेराबंदी कर रहे हैं।

समाजवादी कार्यकर्ताओं ने शुरू की 'पीडीए पाठशाला', अखिलेश यादव ने सरकार पर साधा निशाना

आर्यावर्त संवाददाता

अमेठी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने हाल ही में कहा था कि "पीडीए पाठशाला" चलाकर बच्चों की पढ़ाई कराने का काम किया जाएगा। अखिलेश ने अपील की थी कि समाजवादी साथी उन गांवों में टीम बनाएं जहां स्कूल बंद हो रहे हैं। उन्होंने पढ़े-लिखे नौजवानों, पार्टी समर्थकों और सेवानिवृत्त शिक्षकों से अपील की है कि वे पीडीए पाठशाला बनाकर बच्चों को पढ़ाएं और उनका भविष्य संवारें।

इसी कड़ी में तहसील क्षेत्र के भादर ब्लॉक के स्माइलपुर ग्रामसभा के रायपुर गांव में सपा नेता जयसिंह प्रताप यादव की अगुवाई में एक पेड़ के नीचे पीडीए पाठशाला लगाई गई। जहां आसपास के गांव के बच्चों को एकजुट होकर पढ़ाया गया। अखिलेश यादव ने बयान दिया था कि शिक्षा का अधिकार छीना जा रहा है। समाजवादी सरकार बनने पर बंद किए गए स्कूलों को और बेहतर तरीके से पुनः खोला जाएगा। उन्होंने भाजपा सरकार पर शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद करने का आरोप लगाते हुए कहा कि वह बुनियादी और प्राथमिक शिक्षा को खत्म करने की साजिश रच रही है ताकि गरीब बच्चों को शिक्षा से दूर किया जा सके।

10 साल का बच्चा मगरमच्छ से भिड़ गया, कैसे बचाई पिता की जान?

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। क्या आपने सुना है कि एक मासूम बच्चा मगरमच्छ से भिड़ गया हो। नहीं सुना होगा, लेकिन ऐसा उत्तर प्रदेश के आगरा में हुआ है। आगरा में चंबल नदी किनारे अपने पिता की जान बचाने के लिए एक 10 साल का बच्चा मगरमच्छ से भिड़ गया। मगरमच्छ ने बच्चे के पिता के पैर को दबा लिया और नदी में खींचने लगा, तब बच्चे ने अद्वितीय साहस दिखाया और पिता को बचाने की खातिर मगरमच्छ से भिड़ जाने का फैसला किया। ये पूरा मामला जिले के बासौनी के गांव झरनापुरा हरलालपुर के पास चंबल नदी का है। यहां किसान वीरभान (35) शुक्रवार दोपहर को नदी के पास अपने बेटे अजय और बेटी किरन के साथ पानी भरने गया था। किसान ने नदी के भीतर जैसे ही बोतल डुबोई, तभी पानी में छिपे मगरमच्छ ने उस पर हमला कर दिया। मगरमच्छ किसान का पैर पकड़कर नदी में खीचने लगा। मगरमच्छ के हमले के बाद किसान चीखा। किसान की चीन सुनकर उसके बेटा और बेटी ने भी शोर मचाया। इसी दौरान किसान के बेटे अजय ने बबूल के मोटे डंडे से मगरमच्छ पर ताबड़तोड़ प्रहार करना शुरू कर दिया। बेटे के लगातार हमलों के बाद मगरमच्छ ने उसके पिता का पैर छोड़ दिया और फिर डंडा मार रहे बच्चे पर ही हमला कर दिया। इसके बाद अजय ने किसी तरह खुद को मगरमच्छ के हमले से बचाया और भाग निकला। इतनी देर में किसान भी नदी से निकलकर भागा।किसान पर मगरमच्छ के हमले की सूचना मिलते ही ग्रामीण भी पहुंच गए। मगरमच्छ के हमले में किसान घायल हो गया।

अरन्द गांव में खाक छान रही वन विभाग की टीम

जौनपुर। जिले के शाहगंज क्षेत्र के अरन्द गांव में मिले कई आदमखोर लकड़बग्घे की खोज में पिछले दो दिनों से वन विभाग के अधिकारी भ्क्ष्टकते हुए धान के खेतों में पानी के बीच खाक छान रहे हैं। लेकिन कुठ भी स्पष्ट करने में वे असफल रहे। वन विभाग द्वारा आदमखोर जंगलीजीव की खबर वायरल होते ही संज्ञान में लिया। प्रदेश विभाग ने जौनपुर, आजमगढ़ दोनों जनपद के वन विभाग के मंडल स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों को तलब कर मौके पर भेजा। शनिवार को आजमगढ़ के प्रभारी प्रभागीय वनाधिकारी गंगादत्त मिश्र के साथ सब डिविजनल आफिसर आजमगढ़, रेंजर फूलपुर सत्येंद्र मौर्य, जौनपुर की डीएफओ प्रोमिला, एसडीओ जौनपुर सरफराज, शाहगंज के वन रेंजर राकेश कुमार दो एक्सपर्ट टीम के साथ सभी लकड़बग्घों व उनके बच्चों को पकड़ने के लिए जाल व अन्य हथियार लेकर देर शाम तक अरन्द और पड़ोसी जनपद आजमगढ़ के ग्राम सभा अरनौला गांव में नहर और जंगली हिस्से में घेराबंदी कर रहे हैं।

बैंड की दुकान का ऊपर उठाया शटर, निकले एक लड़का और लड़की, देख अंदर का दृश्य सब रह गए दंग

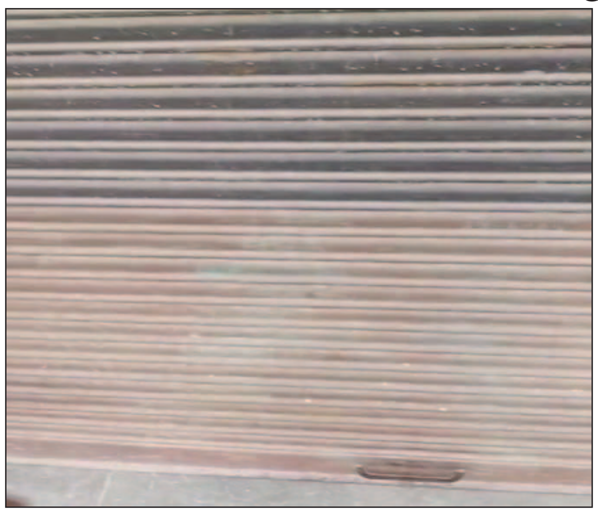

आर्यावर्त संवाददाता

अलीगढ़। एक बैंड की दुकान का जब शटर ऊपर को उठाया गया तो उसके अंदर का दृश्य देखकर सब चकित रह गए। दुकान के अंदर एक तख्त पड़ा था, वहीं पर एक लड़का और लड़की आपत्तिजनक स्थिति में पकड़े गए। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

अलीगढ़ के थाना इगलास अंतर्गत बाजार में एक बैंड की दुकान का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया। वीडियो में दुकान का शटर ऊपर उठाया जाता है तो उसके अंदर एक लड़का और लड़की मिलते हैं। बताया जा रहा है कि लड़का-लड़की दोनों आपत्तिजनक स्थिति में मिले। वीडियो में दुकान के अंदर राजू बैंड का बैनर लगा दिख रहा है। जैसे ही शटर उठा, वैसे ही अंदर मौजूद लड़का-लड़की हक्के-बक्के रह गए। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

थाना इगलास अंतर्गत 25 जुलाई को सोशल मीडिया के माध्यम से एक वीडियो संज्ञान में आया जिसमें एक लड़का व लड़की एक दुकान में आपत्तिजनक स्थिति में मिले हैं। इस सम्बन्ध में सूचना प्राप्त होने पर तत्काल संज्ञान लेते हुए दी गई तहरीर के आधार पर स्थानीय थाने पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया गया है, अभियुक्त को गिरफ्तार कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। मौके पर शांति है।–**महेश कुमार, सीओ इगलास, अलीगढ़**

मुरादाबाद में डबल मर्डर : युवक ने दो दोस्तों को चाकू से गोदकर मार डाला, शराब पीकर पैसों को लेकर हुआ विवाद

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। कटघर थाना क्षेत्र के गुलाबबाड़ी में सारिक ने अपने दोस्त शाहनवाज उर्फ बबलू और जुनैद की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। शराब पीने के बाद दोनों के बीच रुपयों को लेकर विवाद हुआ था। पुलिस ने आरोपी सारिक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

गलशहीद के असातलपुरा निवासी फईम ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार रात करीब नौ बजे उसके भाई शाहनवाज उर्फ बबलू को असातलपुरा के ही निवासी जुनैद और सारिक अपने साथ बुलाकर ले गए थे। गुलाबबाड़ी चुंगी पर शराब के ठेके पर शराब पीने के बाद सारिक ने शाहनवाज और जुनैद से रुपयों को लेकर विवाद किया।

इसके बाद आरोपी ने शाहनवाज और जुनैद पर चाकू से हमला कर दिया। इस हमले में शाहनवाज की मौके पर ही मौत जबकि जुनैद गंभीर रूप घायल हो गया। घटना की जानकारी मिलने पर शाहनवाज और जुनैद के परिजन मौके पर पहुंच गए।

पुलिस ने जुनैद को जिला अस्पताल भिजवा दिया। जहां जुनैद (30) की भी मौत हो गई। एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि सारिक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। दोनों के शवों का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

हाई ब्लड प्रेशर का शिकार हैं तो चाय पीनी चाहिए या नहीं? जान लीजिए इसका जवाब

हर चाय एक जैसी नहीं होती। कुछ चाय हानिकारक हो सकती है तो कुछ लाभकारी। आइए जानते हैं हाई बीपी में अगर आप चाय पीते हैं तो इसका सेहत पर किस तरह से असर हो सकता है?

चाय पीना हमारी सेहत के लिए ठीक है या नहीं, ये लंबे समय से चर्चा का विषय रहा है। लोगों के मन में एक सवाल ये भी रहा है कि जिन लोगों को हाई ब्लड प्रेशर की समस्या होती है उन्हें चाय पीनी चाहिए या नहीं? क्या इसमें मौजूद कैफीन ब्लड प्रेशर को और बढ़ा सकती है? या कुछ चाय की किस्में हाई ब्ल्ड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद भी कर सकती हैं?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, हर चाय एक जैसी नहीं होती। कुछ चाय हानिकारक हो सकती है तो कुछ लाभकारी। आइए जानते हैं हाई बीपी में अगर आप चाय पीते हैं तो इसका सेहत पर किस तरह से असर हो सकता है?

क्या कहती है अध्ययन की रिपोर्ट?

अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन की रिपोर्ट के अनुसार, चाय में मौजूद कैफीन से ब्लड प्रेशर अस्थायी रूप से 5-10 mm Hg तक बढ़ सकता है, ये पहले से हाई ब्लड प्रेशर के शिकार लोगों के लिए दिक्कतें बढ़ाने वाली स्थिति हो सकती है। हालांकि नियमित रूप से कैफीन सेवन करने वालों में इसका असर कम देखा गया।

वहीं कुछ शोध में पाया गया है कि ब्लैक-टी (काली चाय) का लगातार 12 हफ्तों तक सेवन से सिस्टोलिक ब्लड प्रेशर 2-3 mm Hg तक घट सकता है। ये इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स और फ्लेवोनॉयड्स की वजह से होता है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

वरिष्ठ चिकित्सक डॉ जुगल किशोर कहते हैं, कॉफी या चाय में कई तरह के रसायन होते हैं जैसे कैफीन और टैनिन आदि। हाई बीपी वालों को इससे दूर रहना चाहिए। इसका सीधा असर हमारे स्वास्थ्य, पाचन. और दिमाग पर पड़ता है।

इसके अलावा खाली पेट चाय पीने की आदत ठीक नहीं है, खासकर उच्च रक्तचाप वाले लोगों को इसका विशेष ख्याल रखना चाहिए। सुबह उठकर चाय पीना हमारी आदतों में शुमार हो चुका है। दूसरे, जीवनशैली की वजह से उच्च रक्तचाप की समस्या भी आम हो चुकी है। जिन लोगों को पहले से खाली पेट चाय- कॉफी पीने की आदत है और कोई परेशानी नहीं होती है, उन्हें चाय पीने में कोई परेशानी नहीं है अगर किसी व्यक्ति को हमेशा ही हाई बीपी रहता है तो ऐसे में कैफीन से बचाव करना चाहिए।

इन बातों का भी रखिए ध्यान

शोध में ऐसा देखा गया है कि कम मात्रा में कैफीन लेने से ब्लड प्रेशर हाई नहीं होता है। ऐसे में उच्च रक्तचाप के मरीजों को कैफीन इनटेक का ध्यान रखना चाहिए, क्योंकि दिन में दो कप से ज्यादा कॉफी लेने से कार्डियोवस्कुलर डिजीज का खतरा बढ़ जाता है। जिन लोगों को रोजाना चाय अथवा कॉफी पीने की आदत नहीं होती है, उनमें कैफीन ब्लड प्रेशर बढ़ने का कारण बन सकता है। हाई ब्लड प्रेशर में कॉफी के बजाय अगर आप ग्रीन-टी लेते हैं तो वो ज्यादा फायदेमंद है।

विशेषज्ञ कहते हैं, अगर आप हाई ब्लड प्रेशर के मरीज हैं, तो चाय पीना पूरी तरह मना नहीं है हालांकि बल्कि सही चाय, सही मात्रा और सही समय पर पीने को लेकर ध्यान रखना जरूरी है।

पैकेज्ड स्नैक्स में होती हैं ये 5 खतरनाक सामग्रियां

पैकेज्ड स्नैक्स का सेवन करना कई लोगों को पसंद होता है क्योंकि यह स्वादिष्ट होने के साथ-साथ आसानी से उपलब्ध भी होते हैं। हालांकि, इन स्नैक्स में कई ऐसी चीजें होती हैं, जो सेहत के लिए नुकसानदेह हो सकती हैं। आइए आज हम आपको उन चीजों के बारे में बताते हैं, जो पैकेज्ड स्नैक्स में मौजूद होती हैं और जिनका सेवन सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है इसलिए इनसे युक्त स्नैक्स का सेवन करने से बचें।

माल्टोडेक्सट्रिन

माल्टोडेक्सट्रिन एक प्रकार का कार्बोहाइड्रेट है, जो पैकेज्ड स्नैक्स में अक्सर इस्तेमाल होता है। यह सफेद पाउडर की तरह दिखता है और इससे स्नैक्स को अधिक मीठा और स्वादिष्ट बनाया जाता है। हालांकि, माल्टोडेक्सट्रिन का सेवन शरीर में तेजी से शुगर के स्तर को बढ़ा सकता है, जिससे शुगर के स्तर में अचानक वृद्धि हो सकती है। इससे मधुमेह का खतरा बढ़ सकता है, इसलिए इसके सेवन से सावधानी बरतनी चाहिए।

आर्टिफिशियल बटर फ्लेवर

कई पैकेज्ड स्नैक्स में मक्खन का स्वाद देने के लिए आर्टिफिशियल बटर फ्लेवर का इस्तेमाल किया जाता है। यह स्वादिष्ट होने के साथ सस्ता भी होता है, लेकिन इसके सेवन से सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है। आर्टिफिशियल बटर में ट्रांसफैट हो सकता है, जो दिल की बीमारियों और मोटापे का कारण बन सकती है। इसलिए पैकेज्ड स्नैक्स खरीदने से पहले उनके लेबल को ध्यान से पढ़ें और कोशिश करें कि जो स्नैक्स प्राकृतिक चीजों से बने हों।

मॉडिफाइड फूड स्टार्च

मॉडिफाइड फूड स्टार्च एक प्रकार का कार्बोहाइड्रेट है, जो पैकेज्ड स्नैक्स में इस्तेमाल होता है। इसे बनाने के लिए आलू, मक्का या अन्य स्टार्चयुक्त सब्जियों का इस्तेमाल किया जाता है। हालांकि, इस स्टार्च को रसायनिक प्रक्रिया के जरिए बदला जाता है, जिससे इसके पोषण मूल्य कम हो जाते हैं। इसके अलावा इसमें मौजूद रसायन सेहत को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसलिए इसके कारण होने वाली समस्याओं से बचने के लिए कम से कम पैकेज्ड स्नैक्स का सेवन करें।

सोडियम नाइट्राइट

सोडियम नाइट्राइट एक प्रकार का संरक्षक है, जो पैकेज्ड स्नैक्स को लंबे समय तक खराब होने से बचाता है। हालांकि, यह रसायन सेहत के लिए खतरनाक हो सकता है और इससे कैंसर का खतरा बढ़ सकता है। इसके अलावा सोडियम नाइट्राइट का सेवन करने से अन्य कई स्वास्थ्य समस्याएं भी हो सकती हैं, जैसे कि पेट में जलन, उल्टी और दस्त। इसलिए पैकेज्ड स्नैक्स खरीदने से पहले उनके लेबल को ध्यान से पढ़ें।

पोटेशियम ब्रोमेट

पोटेशियम ब्रोमेट एक रसायन है, जो कई पैकेज्ड स्नैक्स में इस्तेमाल होता है। यह स्नैक्स को कुरकुरा बनाता है और उन्हें अधिक आकर्षक दिखाता है। हालांकि, इसमें मौजूद रसायन सेहत के लिए हानिकारक हो सकते हैं और इससे पाचन तंत्र पर बुरा असर पड़ सकता है। इसके अलावा पोटेशियम ब्रोमेट का सेवन करने से पेट में जलन, उल्टी और दस्त जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। इसलिए पैकेज्ड स्नैक्स खरीदने से पहले उनके लेबल को ध्यान से पढ़ें।

हरियाली तीज का व्रत रख रही हैं तो भूल कर भी ना करें खानें-पीने से जुड़ी ये गलतियां

27 जुलाई को हरियाली तीज का त्योहार मनाया जाएगा। इस दिन महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र और सुख-शांति के लिए व्रत रखती हैं। लेकिन अक्सर व्रत में कुछ ऐसी गलतियां कर देती हैं, जो सेहत को नुकसान पहुंचा सकती हैं। चलिए जानते हैं व्रत में हमे किन गलतियों से बचना चाहिए और क्यों।

सावन का महीने बस कुछ दिनों में ही खत्म होने वाला है। इस महीने को शिव का माह कहा जाता है, जिसमें भोलेनाथ के भक्त उन्हें प्रसन्न करने के लिए यात्रा, व्रत और पूज-पाठ करते हैं। सावन में ही हरियाली तीज मनाई जाती है, जो सुहागन महिलाओं के लिए बहुत खास है। इस दिन महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र और सुख-समृद्धि के लिए व्रत रखती हैं। इस बार 27 जुलाई को हरियाली तीज का त्योहार मनाया जाएगा।

हरियाली तीज पर महिलाएं निर्जला व्रत रखती हैं। लेकिन व्रत के दौरान खाने -पीने से जुड़ी कुछ आम गलितयां हैं जो महिलाएं अक्सर करती हैं। ये गलतियां सेहत पर बुरा असर डाल सकती हैं। इसलिए अगर आप भी हरियाली तीज पर व्रत रख रही हैं तो कुछ गलितयों से बचने की जरूरत है। चलिए इस आर्टिकल में आपको बताते हैं कौन सी हैं वो गलतियां और इनसे कैसे बचा जाए।

खाली पेट चाय-कॉफी पीना पड़ेगा भारी

व्रत की शुरुआत करने से पहले कुछ खाने-पीने की परंपरा है। ऐसे में कुछ महिलाएं इस समय पर खाली पेट ही चाय या कॉफी पी लेती हैं। उन्हें लगता है कि ऐसे करने से उन्हें सिरदर्द नहीं होगा और पूरा दिन एनर्जी रहेगी। लेकिन ये गलत है, क्योंकि खाली पेट चाय कॉफी का सेवन एसिडिटी को बढ़ा सकता है। इसलिए पहले कुछ खाएं और फिर ही चाय या कॉफी का सेवन करें।

व्रत से एक दिन पहले भारी खाना नहीं खाएं

व्रत से एक दिन पहले कुछ महिलाएं ओवरइटिंग कर लेती हैं। यानी वो एक दिन पहले ये सोचकर बहुत ज्यादा खाना खा लेती हैं कि कल तो उपवास रखना है। लेकिन ऐसा करना पाचन तंत्र पर बुरा असर डालता है। साथ ही अगले दिन शरीर सुस्त और थका हुआ लगता है। इसलिए लाइट और सुपाच्य खाना खाएं और ओवरइटिंग से बचें।

व्रत खोलते समय न खाएं तली-भूनी चीजें

व्रत में वैसे तो सात्विक खाना ही उपयुक्त होता है। लेकिन कई बार व्रत खोलने के बाद महिलाएं मसालेदार और तली-भूनी चीजें खा लेती हैं, जो सीधा उनके पाचन तंत्र पर असर करता है। इसलिए हो सके तो व्रत खोलने के लिए सबसे पहले गुनगुना पानी पिएं। फिर फल या खिचड़ी जैसी चीजें खाएं।

मीठे का ज्यादा सेवन भी नुकसानदायक

हर खास मौके पर मीठा बनना और उसका स्वाद चखना तो जैसे एक परंपरा है। हरियाली तीज पर भी घेवर, मालपुआ, रसगुल्ला जैसी मिठाइयों खूब पसंद की जाती हैं। लेकिन अगर आपने व्रत रखा है तो व्रत खोलने के बाद बहुत ज्यादा मीठा न खाएं। इससे ब्लड शुगर लेवल बढ़ सकता है। खासकर अगर आप डायबिटिक हैं।

व्रत में आराम है जरूरी

कुछ महिलाएं व्रत रखने के बाद भी पूरा दिन बस घर के कामों में लगी रहती हैं। सफाई से लेकर पूजा की तैयारियों में ही पूरा दिन निकल जाता है। लेकिन अगर आप निर्जला व्रत रख रही हैं तो शरीर को आराम की जरूरत होती है। ज्यादा थकने से कमजोरी और चक्कर तक आ सकते हैं।

कौवे जैसे बैठकर बनेगी सेहत, कागासन से मिलेंगे 5 बड़े फायदे

कागासन को अंग्रेज़ी में Crow Pose कहा जाता है। यह योग मुद्रा एक आसान लेकिन प्रभावशाली आसन है। यह आसन शरीर को स्थिरता और मन को एकाग्रता प्रदान करता है। 'काग' का अर्थ होता है कौवा और 'आसन' का मतलब है मुद्रा। शाब्दिक अर्थ से स्पष्ट है कि इस योग में व्यक्ति की स्थिति कौवे जैसी होती है, शरीर स्थिर और सीधा, ध्यान केंद्रित और मस्तिष्क शांत रहता है। कागासन उन लोगों के लिए भी बेहतरीन है जो कंप्यूटर पर लंबे समय तक बैठते हैं या पीठ और घुटनों की समस्याओं से जूझते हैं। यदि आप रोजाना 5 से 10 मिनट तक कागासन का अभ्यास करते हैं, तो यह आपकी पाचन शक्ति, मानसिक शांति और शरीर की संतुलन क्षमता को अद्भुत रूप से बढ़ा सकता है। यह योग मुद्रा सरल है, लेकिन प्रभाव गहरा है। आइए जानते हैं कागासन के फायदे और इसके अभ्यास का तरीका।

कैसे करें कागासन योग?

समतल जमीन पर योगा मैट बिछाकर खड़े हो जाएं।

पैरों को थोड़ा फैलाएं और धीरे-धीरे घुटनों को मोड़ते हुए स्क्वाट की स्थिति में आ जाएं।

दोनों घुटनों को खोलें और दोनों हथेलियों को घुटनों पर रखें।

पीठ को सीधा रखें और गर्दन सीधी।

आंखें बंद करके कुछ देर गहरी सांस लें और छोड़ें।

30 सेकंड से 1 मिनट तक इस स्थिति में बने रहें। फिर धीरे-धीरे सामान्य स्थिति में लौट आएं।

कागासन करने के फायदे

ये आसन पाचन शक्ति को बढ़ाता है। कागासन का नियमित अभ्यास पेट की मांसपेशियों पर सीधा असर डालता है जिससे कब्ज और गैस जैसी समस्याओं में राहत मिलती है।

कागासन घुटनों और पैरों को मजबूत बनाता है। इसका अभ्यास घुटनों की नसों और मांसपेशियों को सशक्त करता है। बढ़ती उम्र में यह आसन बेहद फायदेमंद है।

रोजाना 10 मिनट इस आसन के अभ्यास से रीढ़ की हड्डी का लचीलापन बढ़ता है। इस आसन में पीठ सीधी रखने से स्पाइन में मजबूती आती है और पोस्टर सुधरता है।

कागासन मानसिक एकाग्रता बढ़ाता है। इस मुद्रा में ध्यान केंद्रित करना सीखने से मन शांत होता है और मानसिक थकान दूर होती है।

कागासन थायरॉइड और डायबिटीज रोगियों के लिए सहायक है। यह आसन पाचन और हार्मोन संतुलन में मदद करता है, जिससे इन रोगों पर नियंत्रण पाया जा सकता है।

कागासन करते समय बरतें ये सावधानियां

यदि घुटनों में बहुत दर्द हो तो यह आसन न करें।

स्लिप डिस्क या रीढ़ की गंभीर समस्याओं वाले व्यक्ति डॉक्टर से परामर्श के बाद ही करें।

खाली पेट या भोजन के 3 घंटे बाद ही योग करें।

आरबीआई के आंकड़े : बैंक जमा दोगुना बढ़कर हुआ 3 .79 लाख करोड़ ; डिजिटल लेन-देन के बाद भी देश में नकदी की कमी नहीं

आरबीआई के आंकड़े बताते हैं कि सिर्फ बैंक ही नहीं, लोगों के पास भी भरपूर नकदी है। जनता के पास मौजूद 31,000 करोड़ रुपये से बढ़कर 91,000 करोड़ रुपये की नकदी हो गई है। यह वृद्धि नीतिगत उपायों के प्रभाव के कारण हुई है। केंद्रीय बैंक ने नकदी को आसान बनाने के लिए उपाय किए थे। ग्रामीण गतिविधियों में तेजी मुख्य रूप से नकदी पर आधारित है। साथ ही कर में रियायत भी इस नकदी का एक प्रमुख कारण है।

नकदी की यह बहार ग्रामीण अर्थव्यवस्था में बढ़ती गतिविधियों से ज्यादा जुड़ी है। यह ग्रामीण खपत में वृद्धि के साथ मेल खाती है। इससे पता चलता है कि गांवों में आर्थिक गतिविधियों में मजबूत सुधार हो रहा है। जमा में बढ़ोतरी आरबीआई की ओर से खुले बाजार परिचालन (ओएमओ) खरीद के जरिये पर्याप्त तरलता प्रवाह को दर्शाती है। अप्रैल, 2025 के बाद से बैंकिंग प्रणाली की तरलता सकारात्मक हो गई है।

कई कारकों से नकदी में हो रही है वृद्धि

नकदी की इस वृद्धि को कई कारकों से बल मिला है। इनमें बेहतर कृषि उत्पादन, मनरेगा जैसी रोजगार योजनाओं से मिलने वाली उच्च मजदूरी और जन धन खातों में सीधे दी जाने वाली सरकारी सब्सिडी शामिल हैं।

इसके अतिरिक्त, जरूरी वस्तुओं की कीमतों में कमी से ग्रामीण खरीद शक्ति बढ़ी है। इससे नकदी प्रवाह और खपत में वृद्धि हुई है।

ग्रामीण भारत में नकदी का उपयोग अभी भी बड़े पैमाने पर हो रहा है। हालांकि, यूपीआई जैसे डिजिटल भुगतान भी अधिक लोकप्रिय हो रहे हैं।

गांवो में मांग-खपत बेहतर

आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज के मुताबिक, उच्च आवृत्ति वाले आंकड़े दर्शाते हैं कि ग्रामीण मांग बेहतर है। शहरी मांग कमजोर है। ग्रामीण खपत, शहरी खपत की तुलना में कुल खपत का एक बड़ा हिस्सा है। पिछले कुछ वर्षों में कोविड के झटके से जरूर प्रभावित रही है लेकिन यह संभावना है कि खपत वृद्धि मजबूत बनी रहेगी।

गांवों की अर्थव्यवस्था अब कृषि से सेवा क्षेत्र की ओर

ग्रामीण भारत एक शांत क्रांति के दौर से गुजर रहा है। कभी कृषि पर अत्यधिक निर्भर रही ग्रामीण अर्थव्यवस्था अब सेवा क्षेत्र का रूप ले रही है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज की रिपोर्ट कहती है कि 29.1 करोड़ लोगों के घर, 112 ग्रामीण जिलों ने 2,000 डॉलर प्रति व्यक्ति आय की सीमा को पार कर लिया है। यह एक ऐसा मील का पत्थर है जो बढ़ती समृद्धि और उपभोक्ता क्षमता का संकेत देता है।

ग्रामीण क्षेत्र न केवल गति पकड़ रहे हैं, बल्कि वे भारत के खपत इंजन को भी गति दे रहे हैं। खासकर जब महंगाई के दबाव में शहरी मांग कम बनी हुई है। कर्नाटक और तमिलनाडु के कुछ इलाकों में प्रति व्यक्ति आय 5,000 डॉलर से अधिक हो गई है।

अनुकूल दक्षिण-पश्चिम मानसून, प्रमुख फसलों के लिए उच्च न्यूनतम समर्थन मूल्य और गांवों में विकास कार्यक्रमों पर सरकार के बढ़ते खर्च के कारण ट्रैक्टर की बिक्री चालू वित्त वर्ष में रिकॉर्ड हो सकती है। यह ग्रामीण बाजारों में आर्थिक गतिविधियों का एक प्रमुख पैमाना है।

नए निवेशक किन म्यूचुअल फंड्स के साथ करें अपनी निवेश यात्रा शुरू?

नए निवेशकों को म्यूचुअल फंड्स में निवेश शुरू करने से पहले दो महत्वपूर्ण कदम उठाने चाहिए। पहला, अपनी रिस्क एपेटाइट को समझें। दूसरा, अपने वित्तीय लक्ष्य निर्धारित करें। मेगा गेन के सह-संस्थापक ऋषित शाह के अनुसार, यदि आप अपने लक्ष्य तय कर लेते हैं, तो आपका आधा काम आसान हो जाता है। नए निवेशकों को इक्विटी के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं होती, इसलिए उन्हें सतर्कता से शुरुआत करनी चाहिए।

निवेश जितना जल्दी किया जाए उतना बेहतर रहता है। हर एक्सपर्ट यही सलाह देते हैं। ऐसे में अगर आप Mutual Funds में निवेश करने की सोच रहे हैं तो कौनसे फंड आपके लिए बेस्ट हो सकते हैं? बता रहे हैं Mega Gain के सह-संस्थापक ऋषित शाह।

नए निवेशकों के लिए रणनीति

नए निवेशकों को म्यूचुअल फंड्स में निवेश शुरू करने से पहले दो महत्वपूर्ण कदम उठाने चाहिए। पहला, अपनी रिस्क एपेटाइट को समझें। दूसरा, अपने वित्तीय लक्ष्य निर्धारित करें। मेगा गेन के सह-संस्थापक ऋषित शाह के अनुसार, यदि आप अपने लक्ष्य तय कर लेते हैं, तो आपका आधा काम आसान हो जाता है। नए निवेशकों को इक्विटी के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं होती, इसलिए उन्हें सतर्कता से शुरुआत करनी चाहिए।

लंबी अवधि का हो नजरिया

ऋषित शाह सुझाव देते हैं कि नए निवेशकों को 5 से 6 साल की अवधि के लिए निवेश की योजना बनानी चाहिए। इस दौरान, वे अपने पोर्टफोलियो का 50 फीसद लार्ज कैप इंडेक्स फंड्स में निवेश कर सकते हैं, जो स्थिरता और अच्छे रिटर्न प्रदान करते हैं। इसके अलावा, 20 से 30 फीसद हाइब्रिड और मल्टी-एसेट फंड्स में निवेश करना चाहिए, क्योंकि ये फंड्स बाजार की अस्थिरता को कम करते हैं। साथ ही, 10 फीसद निवेश गोल्ड में करने की सलाह दी जाती है, क्योंकि जब बाजार गिरता है, तो गोल्ड की कीमतें अक्सर बढ़ती हैं, जो पोर्टफोलियो को संतुलित रखता है।

गोल्ड में निवेश क्यों है जरूरी

गोल्ड में निवेश का सुझाव इसलिए दिया जाता है, क्योंकि यह बाजार की अस्थिरता के खिलाफ एक सुरक्षा कवच प्रदान करता है। जब इक्विटी बाजार नीचे जाता है, तो गोल्ड की कीमतें आमतौर पर ऊपर जाती हैं। यह निवेशकों को आत्मविश्वास देता है, खासकर तब जब उनके अन्य फंड्स का प्रदर्शन कमजोर हो। गोल्ड का यह संतुलन नए निवेशकों के लिए विशेष रूप से लाभकारी होता है, जो बाजार की उतार-चढ़ाव से परिचित नहीं हैं।

स्मॉल और मिड कैप फंड्स से सावधानी

ऋषित शाह नए निवेशकों को सलाह देते हैं कि वे शुरुआत में स्मॉल और मिड कैप फंड्स में निवेश से बचें। इन फंड्स में उच्च रिटर्न की संभावना होती है, लेकिन इनमें अस्थिरता भी ज्यादा होती है। शाह सुझाव देते हैं कि पहले एक साल तक लार्ज कैप फंड्स में निवेश करें और बाजार की गतिशीलता को समझें। यदि आपको बाजार के उतार-चढ़ाव से डर नहीं लगता, तभी स्मॉल और मिड कैप फंड्स पर विचार करें।

जोखिम क्षमता को कैसे समझें?

रिस्क एपेटाइट या कहें कि जोखिम लेने की क्षमता का आकलन करना नए निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण है। शाह के अनुसार, एक सामान्य नियम है: "100 माइनस आपकी उम्र" आपके इक्विटी निवेश का प्रतिशत होना चाहिए। उदाहरण के लिए, यदि आपकी उम्र 35 साल है, तो आपका इक्विटी में निवेश 65 फीसद होना चाहिए, बाकी डेट फंड्स में। इसके अलावा, अपनी आय, खर्च, ऋण, और इमरजेंसी फंड की स्थिति का आकलन करें। यदि आप 1000 रुपए निवेश करते हैं और बाजार गिरने पर डर लगता है या आप बार-बार पोर्टफोलियो चेक करते हैं, तो आपकी रिस्क एपेटाइट कम है।

वित्तीय लक्ष्य कैसे तय करें?

वित्तीय लक्ष्य तय करना निवेश की सफलता की कुंजी है। शाह के अनुसार, आपको यह तय करना होगा कि आपका लक्ष्य लॉन्ग टर्म (5-10 साल), मीडियम टर्म (3-5 साल), या शॉर्ट टर्म (1-3 साल) है। लक्ष्य के आधार पर ही फंड का चयन करें। उदाहरण के लिए, लॉन्ग टर्म लक्ष्यों के लिए लार्ज कैप और हाइब्रिड फंड्स उपयुक्त हैं, जबकि शॉर्ट टर्म के लिए डेट फंड्स बेहतर हो सकते हैं। यह सुनिश्चित करें कि आपका निवेश आपकी आय और आपातकालीन जरूरतों के साथ संतुलित हो।

नए निवेशकों के लिए सुझाव

नए निवेशकों को बाजार की अस्थिरता से डरने की जरूरत नहीं है, बशर्ते वे सही फंड्स चुनें और रिस्क एपेटाइट को समझें। शाह की सलाह है कि यदि बाजार गिरने पर आपको चिंता नहीं होती, तो आपकी रिस्क एपेटाइट मजबूत है। लेकिन यदि बाजार की गिरावट आपको प्रभावित करती है, तो अपनी रिस्क प्रोफाइल को फिर से जांचें। लार्ज कैप इंडेक्स फंड्स, हाइब्रिड फंड्स, और गोल्ड में निवेश शुरूआती निवेशकों के लिए एक संतुलित और सुरक्षित शुरुआत प्रदान करते हैं, जो लंबी अवधि में संपत्ति निर्माण करने में मदद कर सकते हैं।

बेघर लोगों पर नए आदेश को लेकर अमेरिका में सियासी टकराव, ट्रंप के फैसले पर डेमोक्रेट्स ने जताई कड़ी आपत्ति

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में बेघर लोगों की बढ़ती समस्या पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ताजा कार्यकारी आदेश ने नई बहस छेड़ दी है। ट्रंप ने हाल ही में एक ऐसा आदेश जारी किया है जिसमें बेघर लोगों को सड़कों से हटाकर मानसिक इलाज या नशामुक्ति केंद्रों में भेजे जाने की बात कही गई है। वह भी बिना उनकी सहमति के। इस आदेश का डेमोक्रेटिक नेताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने तीखा विरोध किया है। उनका मानना है कि यह आदेश अमानवीय है और इससे समस्या का हल नहीं निकलेगा। अपने आदेश में ट्रंप ने कहा कि खुलेआम नशाखोरी और सड़कों पर कैंपिंग करने वाले बेघर लोगों पर कड़ी कार्रवाई जरूरी है ताकि आम नागरिक खुद को सुरक्षित महसूस कर सकें। उन्होंने कहा कि इन लोगों को लंबे समय तक

संस्थागत देखरेख में रखना ही सार्वजनिक व्यवस्था बहाल करने का 'सबसे साबित तरीका' है। ट्रंप का ये आदेश उन शहरों के लिए निर्देश है जो सड़कों पर सख्ती बरतने के लिए तत्पर हैं।

कैलिफोर्निया पहले से कर रहा है ऐसे प्रयास

कई विश्लेषकों का मानना है कि ट्रंप का यह आदेश मुख्य रूप से न्यूयॉर्क, लॉस एंजेलेस और सैन फ्रांसिस्को जैसे शहरों को निशाना बनाता है जहां डेमोक्रेटिक पार्टियों की सरकारें हैं। हालांकि, इन राज्यों में पहले से ही बेघर लोगों को पुनर्वास केंद्रों में भेजने की योजनाएं चल रही हैं। कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम ने सड़कों से बेघरों को हटाने और नशा व मानसिक इलाज के लिए संसाधन जुटाने में वर्षों लगाए हैं।

ये आदेश अस्पष्ट और दंडात्मक- विपक्ष

बेघरों के अधिकारों के लिए काम करने वाले संगठनों ने ट्रंप के आदेश को 'अस्पष्ट और सजा देने वाला' बताया है। नेशनल अलायंस टू एंड होमलेसनेस के अधिकारी स्टीव बर्ग ने कहा कि अमेरिका ने दशकों पहले जबरन संस्थागत इलाज की नीति को छोड़ दिया था क्योंकि यह खर्चीली, नैतिक और कानूनी रूप से गलत थी। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसे आदेश से बेघर लोगों को जबरन बंदी बनाया जा सकता है।

स्थानीय सरकारों की अलग रणनीति

लॉस एंजिलिस की मेयर करेन बैस ने साफ किया कि वे सड़कों पर बेघरों को जबरन हटाने की बजाय उनके साथ संवाद कर आश्रय में भेजने की नीति पर चल रही हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को एक गली से दूसरी गली या जेल भेजना और फिर वापस छोड़ देना, समस्या का हल नहीं है। वहीं, सैन फ्रांसिस्को के मेयर डेनियल लुरी ने भी सार्वजनिक स्थानों पर सफाई और व्यवस्था को बनाए रखने के पक्ष में सख्त कदम उठाए हैं।

सियासी जंग की शक्ल लेता मामला

गवर्नर न्यूसम के दफ्तर ने कहा कि ट्रंप का आदेश बेघर लोगों के बारे में गलत धारणाओं को बढ़ावा देता है और केवल राजनीतिक स्कोर सेटल करने के लिए लाया गया है। ट्रंप के आदेश के पीछे कुछ दक्षिणपंथी नीति समूह जैसे सिसेरो इंस्टीट्यूट ने समर्थन जताया है और कहा है कि इससे स्थानीय सरकारों को सख्त कदम उठाने की ताकत मिलेगी। इस पूरे विवाद से साफ है कि ट्रंप का कार्यकारी आदेश अमेरिका में बेघर लोगों की समस्या का समाधान नहीं, बल्कि एक नई सियासी खाई बनता जा रहा है। जहां एक पक्ष इसे 'सख्ती से मदद' का तरीका मानता है।

वहीं दूसरा पक्ष इसे मानवाधिकारों पर हमला बता रहा है। फिलहाल, इसका असर अमेरिकी समाज और चुनावी राजनीति पर भी गहराता नजर आ रहा है।

आतंक के सप्लायर से आतंकवाद से लड़ने वाला तक... 7 साल में ट्रंप का पाकिस्तानी चेहरा बेनकाब

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान को लेकर अमेरिका की रणनीति पर सवाल उठना कोई नई बात नहीं है। लेकिन जब यही नीति अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जैसे नेता के जरिए बदलती दिखे जो इस्लामाबाद को आतंकवाद का गढ़ कहते थे, और अब उसकी तारीफों के पुल बांध रहे हैं तो शक और गहरा हो जाता है।

ट्रंप और उनकी टीम का हालिया पाक प्रेम के देखकर एक बार फिर सवाल उठ रहे हैं कि क्या अमेरिका वाकई आतंक के खिलाफ है या सिर्फ अपने फायदे की बिसात बिछा रहा है। ऐसा इसलिए क्योंकि एक तरफ तो आतंक पर लगाम कसने के लिए यूएस टीआरएफ पर बैन लगाया है, वहीं दूसरी तरफ पाकिस्तान की आतंकवाद के खिलाफ लड़ने के लिए झूठी वाहवाही करता है। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने हाल ही में पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार से मुलाक़ात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापार को बढ़ाने और खनिज क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा हुई। इसके साथ ही रुबियो ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में पाकिस्तान के साथ साझेदारी के लिए उसका आभार जताया और क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखने में उसके योगदान की तारीफ भी की। 2018 में डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में पाकिस्तान को जमकर खरी-खोटी सुनाई थी। उन्होंने ट्वीट कर कहा था कि, "अमेरिका ने पिछले 15 सालों में पाकिस्तान को बेवकूफी में 33 अरब डॉलर से ज्यादा की मदद दी, और बदले में हमें सिर्फ झूठ और धोखा मिला। उन्होंने हमारे नेताओं को मूर्ख समझा। वे उन आतंकियों को सुरक्षित ठिकाने देते हैं, जिनका हम अफगानिस्तान में पीछा कर रहे हैं। अब और नहीं!"

गाजा में बड़ा होता जा रहा भूखमरी का संकट, लोग ही नहीं पत्रकार भी चपेट में, किसकी सुनेगा इजराइल?

गाजा, एजेंसी। गाजा और इजराइल के बीच छिड़ा युद्ध थमने का नाम नहीं ले रहा है। गाजा में इजराइली बमबारी ही इकलौता संकट नहीं है जिससे फिलिस्तीनी मारे जा रहे हैं। बल्कि भूख अब एक ऐसा संकट बन चुकी है जिससे पूरी फिलिस्तीनी कौम खत्म हो सकती है। क्योंकि गाजा में राहत सामग्री जाने का रास्ता इजराइल ने रोक रखा है। इसी के चलते गाजा में राशन पहुंच नहीं रहा है। भुखमरी से जान गंवाने वालों की गिनती बढ़ती जा रही है। दुनिया की बड़ी समाचार एजेंसियों ने इस पर अलर्ट जारी किया है। यूनाइटेड नेशंस ने भी इसे मानव निर्मित आपदा कहा है।

गाजा से सामने आई तस्वीरों में भूख का भयानक संकट नजर आ रहा है, जहां बच्चों के शरीर पर हड्डियां तक नजर आ रही हैं। बच्चे खाली हो चुके बर्तन की तली में बचे चावल बटोर रहे हैं। खाना इतना कम है कि उनकी छोटी-छोटी मुट्ठियां भी नहीं भर पा रही हैं, पेट भरना तो दूर की बात है। गाजा में 116 लोग भुखमरी का शिकार हो चुके हैं। हजारों लोग हफ्ते में एक दिन ही खाना खा पा रहे हैं। बच्चे कुपोषण का शिकार हो चुके हैं।

पत्रकारों पर भी संकट

दुनिया की बड़ी समाचार एजेंसियों और संस्थानों ने इस संकट पर साझा बयान जारी किया है। AFP, AP, BBC न्यूज और Reuters ने एक साझा बयान जारी किया है। इसमें लिखा है कि हम गाजा में अपने पत्रकारों के लिए गंभीर रूप से चिंतित हैं। जिनको खाना नहीं मिल रहा है। ये स्वतंत्र पत्रकार गाजा की जमीन पर दुनिया के आंख-कान हैं। जिन हालात की ये कवरेज कर रहे हैं उसी का यह पत्रकार भी शिकार बन रहे हैं।

सीजफायर के लिए तैयार नहीं इजराइल

इजराइल की सरकार सीजफायर पर तैयार नहीं है। कतर वार्ता में पेश किए गए हमास के प्रस्ताव ठुकरा दिए गए हैं। इजराइल की राजधानी में लोग लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। इनकी मांग है कि सरकार तुरंत सीजफायर लागू करे, लेकिन, सीजफायर नहीं किया जा रहा है। इजराइली सेटलर्स ने तेल अवीव में अमेरिकी दूतावास के करीब बर्तन बजाकर प्रदर्शन किया। इनकी मांग है कि अमेरिकी सरकार नेतन्याहू पर सीजफायर के लिए दबाव बनाए। लेकिन, अमेरिका भी सीजफायर के पक्ष में नहीं है।

US प्रतिनिधिमंडल ने इजराइल-हमास की वार्ता से किनारा कर लिया है। अमेरिका ने कहा है कि हमास सीजफायर के लिए गंभीर नहीं है। अब बंधकों की वापसी के दूसरे तरीके खोजे जाएंगे। इजराइली सरकार पर आंतरिक और अंतरराष्ट्रीय दबाव है, लेकिन इजराइल सीजफायर के लिए तैयार नहीं है। इजराइल की इस जंग से अंतरराष्ट्रीय समीकरण गड़बड़ा रहे हैं। यूरोप के देश पहले ही इजराइल से नाराज हैं और अब इसके असर नजर आने लगे हैं।

ईरान में खामेनेई की सत्ता पलटने की साजिश? 50 हजार अधिकारी बना रहे नया प्लान

तेल अवीव, एजेंसी। ईरान की मौजूदा इस्लामी सरकार के खिलाफ एक बड़ी साजिश का खुलासा हुआ है। दावा किया जा रहा है कि ईरान के भीतर ही सत्ता को गिराने का एक बेहद संगठित और अंदरूनी प्लान तैयार हो रहा है और इसके केंद्र में हैं रज़ा पहलवी, जो कि ईरान के आखिरी शाह मोहम्मद रज़ा पहलवी के बेटे हैं और पिछले 46 साल से निर्वासित जीवन बिता रहे हैं।

राजा पहलवी ने दावा किया है कि खुद ईरान की सत्ता और सेना के भीतर से 50 हजार से ज्यादा अधिकारी एक गुप्त प्लेटफॉर्म पर रजिस्टर कर चुके हैं। इनका मकसद है ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई की सरकार को गिराना और देश को लोकतंत्र की ओर ले जाना। रजा पहलवी ने एक इंटरव्यू में बताया है कि उन्होंने ईरानी अधिकारियों और सेना के सदस्यों को जोड़ने के लिए एक सुरक्षित डिजिटल नेटवर्क शुरू किया है, जिस पर अब तक हजारों लोग शामिल हो चुके हैं। उनका कहना है कि हर हफ्ते नए नाम जुड़ रहे हैं और इस डेटा का विश्लेषण कर उनकी विश्वसनीयता तय की जा रही है। इस अभियान का अगला चरण आम नागरिकों को जोड़ने का है। इसके लिए एक अलग वेबसाइट शुरू की जा रही है।

म्यूनिख में जुटेंगे विरोध के चेहरे

शनिवार को म्यूनिख में एक अहम सम्मेलन होने जा रहा है, जहां दुनियाभर के ईरानी विपक्षी नेता, कलाकार, सामाजिक कार्यकर्ता और खिलाड़ी इकट्ठा होंगे। दावा है कि यह 1979 की क्रांति के बाद ईरान विरोधी सबसे बड़ा सम्मेलन होगा। इसे नेशनल कोऑपरेशन कन्वेंशन नाम दिया गया है। रजा पहलवी ने बताया है कि ये सम्मेलन तीन मूल सिद्धांतों पर आधारित है-ईरान की क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा, हर नागरिक की स्वतंत्रता और समानता की गारंटी, और धर्म और सत्ता का अलगाव।

विपक्ष की एकता पर उठते सवाल

हालांकि पहलवी खुद को सत्ता परिवर्तन के बाद देश की अगुवाई के लिए तैयार मानते हैं, लेकिन आलोचक कहते हैं कि उन्होंने विपक्षी गुटों को एकजुट करने के लिए पर्याप्त प्रयास नहीं किए। उनके विरोधी ये भी कहते हैं कि एक शाही परिवार से आने वाला व्यक्ति लोकतंत्र की राह में बाधा बन सकता है। मगर म्यूनिख सम्मेलन को इसी छवि को सुधारने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है।

ऑपरेशन सिंदूर से निर्णायक जीत हासिल की... कारगिल विजय दिवस पर सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी का बड़ा बयान

नई दिल्ली, एजेंसी। देश इस साल 26 वां कारगिल विजय दिवस मना रहा है, जो भारत के इतिहास में गौरव का प्रतीक बन चुका है। आज देश में विजय दिवस के मौके पर आज जगह-जगह कार्यक्रम आयोजित किए ा रहे हैं। इस बीच थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने 26वें कारगिल विजय दिवस समारोह को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि हम उन नायकों के ऋणी हैं, जिन्होंने राष्ट्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपने प्राणों की आहुति दी।

उन्होंने कहा कि भारत ने कई बार स्पष्ट कर दिया कि उसकी सीमाओं के भीतर किसी नापाक इरादे को सफलता नहीं मिलेगी। वीर जवानों के रहते हुए भारत की एकता और अखंडता पर कोई आंच नहीं आने दी जाएगी। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए ऑपरेशन सिंदूर से भारत ने हाल ही में एक निर्णायक जीत हासिल की है।

उन्होंने कहा कि सरकार की तरफ से सेना को खुली छूट दिए जाने के बाद भारतीय सेना ने पहलगाम आतंकी हमले का करारा जवाब दिया। जनरल द्विवेदी ने कहा कि हमने पाकिस्तान में 9 महत्वपूर्ण ठिकानों को नष्ट कर दिया, बिना किसी निर्दोष को नुकसान पहुंचाए।

कारगिल विजय दिवस हमारे लिए वचन- सेना प्रमुख

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने द्रास में संबोधित करते हुए कहा कि आज चौथी बार कारगिल दिवस में सम्मिलित हुआ हूं। पिछले साल हमने रजत जयंती समारोह आयोजित की थी, जिसमें पीएम मोदी मौजूद थे। आज भी राज्य रक्षा मंत्री और अन्य अतिथिगण यहां मौजूद हैं।

उन्होंने कहा कि भारत ने तय किया कि इस बार का युद्ध निर्णायक होगा। ऑपरेशन सिंदूर में हमने आतंकियों के 9 ठिकानों पर सटीक हमला किया। हमने इस ऑपरेशन के दौरान किसी भी आम नागरिकों को निशाना नहीं बनाया था। पूरा देश ऑपरेशन सिंदूर के साथ था। ऑपरेशन सिंदूर हमारा संकल्प है, संदेश भी और उत्तर भी। दुश्मन की चुनौतियों का उत्तर हमेशा ऐसे ही सटीक होगा। स्पेशल फोर्सेज गठन किया और शक्तिमान रेजिमेंट बनाई गई हैं। आर्मी एयर डिफेंस सिस्टम को स्वदेशी हथियार से लैस किया जा रहा है।

कारगिल विजय दिवस सैन्य नहीं बल्कि देश का उत्सव- उपेंद्र द्विवेदी

सेना प्रमुख ने कहा कि लद्दाख में सेना रक्षा कर रही है। सड़क, पुल, इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाया जा रहा है। मोबाइल नेटवर्क को लगातार बढ़ाया जा रहा है। कारगिल विजय दिवस हमारे लिए वचन है हम सजग हैं। यह दर्शाता है कि कारगिल विजय दिवस केवल एक सैन्य आयोजन नहीं है। बल्कि पूरे देश का उत्सव है। इस दौरान उन्होंने दो लाइने भी पढ़ी कहा "जो खामोश खड़े थे बर्फीली चोटियों पर, उनकी दुआ से ही महफूज है ये वतन" सेना प्रमुख ने कहा कि आज हम तोता लिंग, टाइगर हिल और प्वाइंट 4875 की ऊंचाइयों के नीचे खड़े हैं। हम आज केवल उस युद्ध को याद नहीं कर रहे हैं। हम उस भावना को याद कर रहे हैं जो उन रणबांकुरों ने दिखायी थी। हमें याद हैं वह दृढ़ संकल्प जो उनकी आंखों में था। उन्होंने हर कठिनाई को मात दी है। हम आज श्रद्धापूर्वक उन सभी बहादुर नायकों को नमन करते हैं, जिन्होंने मृत्यु को गले लगाया था ताकि हम गरिमा और चैन की जिंदगी जी सकें।

OBC के लिए दूसरे अंबेडकर साबित होंगे राहुल गांधी... उदित राज ने क्यों किया ये दावा?

नई दिल्ली, एजेंसी। तेलंगाना में राज्य सरकार SC और ST समुदायों के निवेशकों को कॉर्पोरेट क्षेत्र में प्रोत्साहित करने के लिए कई योजनाएं चला रही है। तेलंगाना की इसी पहल को लेकर कांग्रेस नेता उदित राज का एक बयान सामने आया हैं। उदित राज ने कहा कि जिस तरह तेलंगाना सरकार SC और ST समुदायों के लिए योजना चला रही है। राहुल गांधी OBC के लिए इस तरह की योजना पूरे देश में चलाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि अगर ओबीसी राहुल गांधी के विचारों को समझेगें तो वह देश के दूसरे अंबेडकर साबित होंगे।

राहुल गांधी ने तालकटोरा स्टेडियम में भाषण देते हुए कहा कि उन्होंने अपने राजनीतिक करियर में ओबीसी के लिए कुछ नहीं किया। यह उनकी सबसे बड़ी गलती थी। उन्होंने कहा कि जो काम मैं OBC वर्ग के लिए अब तक नहीं कर पाया, उसे अब दोगुनी स्पीड से करूंगा।

'राहुल गांधी की बातों में दूरदर्शिता'

कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा कि तेलंगाना में डेटा इकट्ठा किया गया है जिससे पता चलता है कि कॉर्पोरेट सेक्टर में कितने एससी और एसटी निवेशक हैं और उनमें से कितनों के पास नौकरी है। उन्होंने कहा कि यही बात राहुल गांधी पूरे देश के लिए करना चाहते हैं। उनकी बातों में बहुत दूरदर्शिता है। उन्होंने कहा कि अगर हम पिछड़ों या दलितों को आगे लाएंगे तो हमारे देश में अर्थव्यवस्था बढ़ेगी। इससे समाज में मौजूद असमानता कम होगी।

'राहुल गांधी देश के दूसरे अंबेडकर'

कांग्रेस नेता उदित राज ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट साझा करते हुए लिखा कि ओबीसी को सोचना पड़ेगा इतिहास बार बार प्रगति के लिए मौका नहीं देता। उन्होंने कहा कि ताल कटोरा स्टेडियम के सम्मेलन में जो बात राहुल गांधी ने कही उस पर चल पड़ें और साथ दें। उन्होंने लिखा कि अगर ओबीसी राहुल गांधी की बातों पर विचार करते हैं तो राहुल गांधी देश के दूसरे अंबेडकर साबित होंगे।

जो अब तक नहीं किया, अब करूंगा

राहुल गांधी ने तालकटोरा स्टेडियम में भाषण देते हुए कहा कि मैं 2004 से राजनीति कर रहा हूं। अपने इस करियर में मैंने बहुत से काम अच्छे किए लेकिन कुछ कमी भी रह गई। उन्होंने कहा कि मेरी सबसे बड़ी कमी है कि मैंने ओबीसी वर्ग के लिए कुछ नहीं किया। वह मेरी गलती है। लेकिन अब ऐसा नहीं होगा जो मैं औबेसी के लिए मैं अब तक नहीं कर पाया उसे अब करूंगा। उन्होंने अपना वीडियो सोशल मीडिया पर साझा करते हुए लिखा कि देश की उत्पादक शक्ति को सम्मान और हिस्सेदारी दिलाकर रहूंगा। जो काम OBC वर्ग के लिए अब तक नहीं कर पाया, उसे दोगुनी स्पीड से करूंगा।

1000 रुपये के लिए बाथरूम साफ करती थीं पलक, मां श्वेता तिवारी ने किया खुलासा

भारती सिंह और हर्ष लिंबाचिया के पॉडकास्ट में हाल ही में श्वेता तिवारी ने खुलासा किया है कि उनकी बेटी पलक तिवारी अपनी पॉकेट मनी के लिए घर के काम किया करती थीं।

टीवी जगत की जानी-मानी अदाकारा श्वेता तिवारी ने हाल ही में अपनी बेटी पलक तिवारी की परवरिश को लेकर बड़ा खुलासा किया है। एक इंटरव्यू के दौरान श्वेता ने अपनी बेटी पलक तिवारी को लेकर बताया है कि उन्होंने बेटी को शुरू से ही पैसों के लिए मेहनत करना सिखाया है।

श्वेता तिवारी का पलक को लेकर खुलासा

श्वेता तिवारी का मानना है कि बच्चों को शुरू से ही मेहनत और जिम्मेदारी का महत्व समझाना बेहद जरूरी है। इसी सोच के तहत उन्होंने अपनी बेटी पलक को बचपन से ही कम बजट में रहना सिखाया। श्वेता ने बताया कि अगर पलक अपने तय पॉकेट मनी से ज्यादा खर्च करती थीं, तो उन्हें घर के काम करके उसकी भरपाई करनी पड़ती थी। भारती सिंह के पॉडकास्ट में श्वेता ने बताया कि पलक को कभी भी ज्यादा पैसे चाहिए होते थे तो वो घर के काम किया करती थी।

बाथरूम साफ करके 1000 रुपये लेती थीं पलक

श्वेता ने बताया कि उन्होंने पलक को पैसों की कद्र करना सिखाया है। उन्होंने बताया, 'अगर पलक कहीं जा रही है और 25,000 रुपये के तय बजट से ज्यादा पैसे लग रहे है तो उसे अपना बाथरूम साफ करने पर 1000 रुपये, बर्तन धोने पर 1000 रुपये और बिस्तर ठीक करने पर 500 रुपये मिलते थे।' इस तरह पलक को न सिर्फ अतिरिक्त खर्च की भरपाई करनी पड़ती थी, बल्कि मेहनत की कीमत भी समझ में आती थी।

श्वेता ने ये भी बताया कि वो पलक के पैसों को खुद मैनेज करती हैं। उन्होंने कहा, 'मैं पलक की कमाई को सही जगह निवेश करती हूं और उसके अकाउंट में सिर्फ ज़रूरत भर के ही पैसे छोड़ती हूं।' इस पर पलक मजाक में कहती हैं, 'मम्मी ने मुझे कंगाल बना दिया है।'

'द भूतनी' जैसी फिल्म में काम कर चुकीं पलक

पलक तिवारी अब इंडस्ट्री में अपनी एक अलग पहचान बना चुकी हैं। वह 'द भूतनी' जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं और युवा दर्शकों के बीच खासा लोकप्रिय चेहरा बन गई हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत सलमान खान की फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' से की थी।

'हम दुनिया को दिखाएंगे कि ...', जब ऑल्ट ऐप को लेकर एकता कपूर ने कही थी ये बात

भारत सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए उल्लू, ऑल्ट बालाजी, देसीफ्लिक्स, बिग शॉट्स समेत कई ऐप्स पर बैन लगा दिया है। सरकार ने ये फैसला अश्लील कंटेंट के खिलाफ नीति के तहत लिया है। सरकार के इस फैसले से पहले एकता कपूर ने अपने विवादित ऐप को लेकर बात की थी। उन्होंने बताया था कि यह ऐप उन्होंने क्यों शुरू किया था?

100 से ज्यादा केस हुए थे दर्ज

बता दें कि सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने एकता कपूर के ऑल्ट ऐप पर बैन लगा दिया है। मगर उनका यह इंटरव्यू बैन लगने से पहले रिकॉर्ड हुआ था, जिसमें प्रोड्यूसर ने अपने ऐप को लेकर चर्चा की। बोल्ड कंटेंट वाला ऑल्ट ऐप लॉन्च करने को लेकर एकता कपूर ने कहा कि बुरी लड़कियां ही इतिहास बनाती हैं। इसके अलावा एकता कपूर ने यह खुलासा भी किया कि जब वे इस ऐप को चला रही थीं तो उनके ऊपर 100 से अधिक मामले दर्ज हुए थे।

घर के बाहर विरोध करने जुटे लोग, फेंकने लगे सामान

एकता कपूर ने फेयर डिसूजा को दिए एक इंटरव्यू में इस बोल्ड कंटेंट वाले ऐप को लेकर कहा था, इसे चलाने के लिए उन्हें काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। उनके घर के बाहर लोग विरोध प्रदर्शन करने आ जाया करते थे। एकता ने एक किस्सा भी साझा किया। उन्होंने कहा, 'लोग घर के बाहर आकर विरोध कर रहे थे और घर पर चीजें फेंक रहे थे। मैं छुट्टियों पर गई हुई थी। मेरा बेटा घर के अंदर था। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि अंदर हो क्या रहा है'।

क्यों शुरू किया ऑल्ट ऐप?

एकता कपूर ने बातचीत में बताया कि उन्होंने इस ऐप को एक बोल्ड कंटेंट पॉजिटिव ऐप के तौर पर शुरू किया था। उनका मकसद था कि समाज में इस विषय पर खुलकर बात की जाए। इसे सामान्य बनाना मकसद था। एकता ने कहा, 'मेरे पास आठ लड़कियां थीं। मैंने कहा कि हम ऑल्ट बालाजी लॉन्च करने जा रहे हैं और तुम सब इसका कंटेंट क्यूरेट करोगी। हम दुनिया को दिखाएंगे कि इस विषय पर खुलकर बात की जा सकती है। हम रिस्क लेने वाले हैं'। एकता ने आगे कहा, 'हालांकि, चीजें वैसे नहीं चलीं, जैसे सोचा था। हमें खुद नहीं समझ आया कि सबकुच कब और कैसे बिगड़ गया'।

मेगा फिल्म में नजर आएगी रणवीर सिंह-श्रीलीला और बॉबी देओल की तिकड़ी, जल्द सामने आएगा फर्स्ट लुक

रणवीर सिंह इन दिनों आगामी फिल्म 'धुरंधर' की तैयारियों में व्यस्त हैं। वहीं, बॉबी देओल को 'हरि हर वीर मल्लु' में देखा जा रहा है। इस बीच खबर है कि रणवीर सिंह और बॉबी देओल को जल्द ही मेगा बजट फिल्म में साथ देखा जाएगा। इस फिल्म में श्रीलाला भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। सितारों की यह तिकड़ी पहली बार किसी प्रोजेक्ट में नजर आएगी।

रणवीर सिंह, श्रीलीला और बॉबी देओल के इस प्रोजेक्ट का टाइटल जल्द रिवील किया जाएगा। इसी के साथ फिल्म का फर्स्ट लुक जारी करने की भी तैयारी है। उम्मीद जताई जा रही है कि टाइटल का एलान अगले हफ्ते तक कर दिया जाएगा। सूत्रों के अनुसार, 'रणवीर सिंह, श्रीलीला और बॉबी देओल की यह फिल्म प्रशंसकों के लिए एक बड़ा तोहफा साबित होगी।

फिलहाल फिल्म में कलाकारों की कास्टिंग ने ही काफी चर्चा बटोरी है। तीनों सितारों ने अपनी अलग पहचान बनाई है। माना जा रहा है कि यह फिल्म एक जबर्दस्त कमर्शियल एंटरटेनर फिल्म साबित होगी। इसमें एक्शन, ड्रामा और स्टार पावर का तड़का देखने को मिलेगा।

रिपोर्ट्स के मुताबिक रणवीर सिंह को हाल ही में महबूब स्टूडियो में देखा गया, जिससे ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि इस फिल्म पर काम तेजी से चल रहा है। बता दें कि रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर' दिसंबर 2025 में रिलीज होगी। इसके अलावा उनके पास फिल्म 'डॉन 3' है। वहीं, साउथ एक्ट्रेस श्रीलीला के सितारे भी इस वक्त बुलंदी पर हैं। वे अनुराग बसु द्वारा निर्देशित रोमांटिक म्यूजिकल फिल्म में कार्तिक आर्यन के साथ नजर आएंगी। फिलहाल इस फिल्म का टाइटल तय नहीं है, मगर अस्थाई रूप से इसे 'आशिकी 3' कहा जा रहा है।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित ।
शाखा कार्यालयः S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website : aryavartkranti.com
*सम्पादकः प्रभात पांडेय सम्पर्कः 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com